नई दिल्ली ■ शनिवार 31 जनवरी 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 304 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 ज़ेब्रा दिवस और वन्यजीव... | 07 ऑस्ट्रेलियाई ओपन फाइनलः सबालेंका और रयबाकिना के बीच होगा मुकाबला | 'डोंट बी शाय' में दिखेगा आलिया का रोमांटिक अंदाज़ 08

ईयू-भारत व्यापार समझौते से असम की चाय पहुंचेगी यूरोपः अमित शाह

'राहुल गांधी ने किया पूर्वोत्तर का अपमान', असमिया गमोछा न पहनने पर कांग्रेस पर बरसे गृह मंत्री

डिब्रूगढ़ (असम)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रस्तावित ईयू-भारत मुक्त व्यापार समझौता यह सुनिश्चित करेगा कि असम की चाय बिना किसी टैरिफ के यूरोपीय देशों तक पहुंचे, जिससे राज्य के चाय उद्योग और निर्यात को काफी बढ़ावा मिलेगा।

डिब्रूगढ़ के खानिकर परेड ग्राउंड में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने इस समझौते को असम की बागान अर्थव्यवस्था और उसके श्रमिकों के लिए एक बड़ा अवसर बताया। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले ही प्रमुख यूरोपीय देशों के साथ बातचीत करने के लिए पेरिस और बर्लिन का दौरा कर चुके हैं और व्यापार संबंधों को मजबूत करने के लिए यूरोपीय ब्लॉक के अन्य देशों के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक बार अंतिम रूप देने के बाद यह व्यापार समझौता असम की चाय के लिए यूरोपीय बाजारों को खोल देगा, जिससे इसकी वैश्विक पहुंच और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी।

मोदी सरकार के तहत भारत की विदेश नीति का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि यूरोपीय संघ भारत के लिए एक भरोसेमंद व्यापार भागीदार के रूप में उभरा है, जो एक संतुलित वैश्विक व्यवस्था के साझा दृष्टिकोण को साझा करता है। उन्होंने कहा कि ईयू-भारत व्यापार समझौता न केवल निर्यातकों को लाभ पहुंचाएगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की रणनीतिक और आर्थिक स्थिति को भी मजबूत करेगा। असम के चाय श्रमिकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए शाह ने बागान मजदूरों को राज्य को एक विशिष्ट पहचान देने और एक प्रमुख चाय उत्पादक के रूप में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा में योगदान देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र ने चाय अधिनियम में संशोधन किया है ताकि बागान श्रमिकों को बेहतर अधिकार और स्वामित्व लाभ सुनिश्चित किया जा सके, जिससे उनकी आर्थिक सुरक्षा मजबूत हो। अगले साल असम में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, शाह ने कहा कि भाजपा चाय बागान समुदायों को सशक्त बनाने और असम को एक प्रमुख निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। चाय बागान श्रमिक ऊपरी असम में, विशेष रूप से डिब्रूगढ़ जैसे जिलों में एक महत्वपूर्ण वोटिंग ब्लॉक बनाते हैं, और पारंपरिक रूप से कांग्रेस का गढ़ रहे हैं, हालांकि हाल के चुनावों में उनकी राजनीतिक निष्ठा में धीरे-धीरे बदलाव देखा गया है। अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति के 'एट होम' रिसेप्शन में पेश किए गए पारंपरिक असमिया गमोछा को पहनने से इनकार करके पूर्वोत्तर का अपमान करने का आरोप लगाया। शाह ने दावा किया कि गमोछा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले गणमान्य व्यक्तियों को पेश किया था।

कोलकाता गोदाम अग्निकांड

मृतकों की संख्या बढ़कर 25 NHRC ने लिया स्वतः संज्ञान

कोलकाता। कोलकाता के दक्षिणी बाहरी इलाके आनंदपुर स्थित गोदाम में हुए भीषण अग्निकांड में मृतकों की संख्या शुक्रवार तक बढ़कर 25 हो गई है। इस घटना को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने स्वतः संज्ञान लेते हुए संबंधित जिला मजिस्ट्रेट को शीघ्र कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) सौंपने का निर्देश दिया है।

एनएचआरसी ने यह कार्रवाई वाओ मोमो फैक्ट्री से जुड़ी कथित गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों की शिकायत के आधार पर की है। आयोग ने पत्र में कहा कि इस हादसे के लिए संबंधित कंपनी प्रबंधन की आपराधिक लापरवाही जिम्मेदार ठहराई गई है। साथ ही, राज्य अग्निशमन सेवा, श्रम विभाग, शहरी नियोजन प्राधिकरण और स्थानीय प्रशासन की नियामकीय विफलताओं का भी उल्लेख किया गया है। एनएचआरसी ने अपने पत्र में कारखाना अधिनियम और आपदा प्रबंधन अधिनियम के प्रावधानों के गंभीर उल्लंघन की ओर भी इशारा किया है। पत्र में कहा गया है, "शिकायत में लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया पीड़ितों के मानवाधिकारों के उल्लंघन की ओर संकेत करते हैं।" राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के सूत्रों के अनुसार, अभी भी कई लोगों के लापता होने

की सूचना है, जिससे मृतकों की संख्या और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। इस बीच, पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने शुक्रवार दोपहर आनंदपुर इलाके में एक विरोध रैली का आयोजन किया।

शुरुआत में पुलिस ने रैली की अनुमति देने से इनकार किया था, लेकिन बाद में कलकत्ता उच्च न्यायालय से अनुमति मिल गई। हालांकि अदालत ने रैली के आयोजन पर कुछ शर्तें भी लगाई हैं। गौरतलब है कि गुरुवार को राज्य अग्निशमन सेवा और फॉरेंसिक टीम ने इस घटना पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी थी। रिपोर्ट में आग की शुरुआत वाओ मोमो फैक्ट्री से नहीं, बल्कि उससे सटे पुष्पांजलि डेकोरेटर के गोदाम से होने का दावा किया गया है।

सीएम योगी ने मंत्रियों के वित्तीय अधिकार बढ़ाने पर दिया जोर

मंत्री 50 और वित्त मंत्री 150 करोड़ तक की परियोजनाएं कर सकेंगे मंजूर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में परियोजनाओं की वित्तीय स्वीकृति प्रक्रिया को तेज, सरल और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया है। इसके साथ उन्होंने परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए मंत्रियों के वित्तीय अधिकारबढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने मंत्री स्तर पर 50 करोड़, इससे ऊपर वित्त मंत्री 150 करोड़ रुपये तक की परियोजना स्वीकृत करने के अधिकार देने की बात कही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर वित्त विभाग की विस्तृत समीक्षा कर रहे थे।

वैज्ञानिकों ने किया सेल्फ-चार्जिंग एनर्जी स्टोरेज डिवाइस विकसित

नई दिल्ली। भारतीय वैज्ञानिकों ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए सूर्य की रोशनी से चलने वाला सेल्फ-चार्जिंग एनर्जी स्टोरेज डिवाइस विकसित किया है। यह अत्याधुनिक तकनीक एक ही उपकरण में सौर ऊर्जा को संग्रहित करने और उसे स्टोर करने की क्षमता रखती है। इस डिवाइस को फोटो-कैपेसिटर नाम दिया गया है। यह शोध बेंगलुरु स्थित सेंटर फॉर नैनो एंड सॉफ्ट मैटर साइंसेज के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है, जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान है। अब तक सौर ऊर्जा प्रणालियों में बिजली उत्पादन और भंडारण के लिए अलग-अलग यूनिट्स का उपयोग किया जाता था, जिससे सिस्टम जटिल, महंगा और ऊर्जा हानि वाला

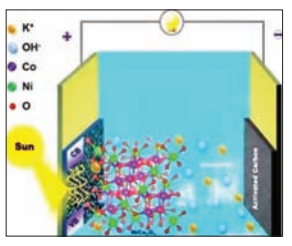

हो जाता था। नई तकनीक इन सभी चुनौतियों को काफी हद तक दूर करती है। यह शोध रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री की प्रतिष्ठित पत्रिका सस्टेनेबल एनर्जी एवं फियूलस में प्रकाशित हुआ है और इसे भारत की क्लीन एनर्जी महत्वाकांक्षाओं की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। इसे विकसित करने वाली वैज्ञानिक डॉ. कविता पांडेय ने बताया कि इस डिवाइस में निकेल-कोबाल्ट ऑक्साइड नैनोवायर्स का इस्तेमाल किया गया है। ये नैनोवायर्स अत्यंत सूक्ष्म होते हुए भी एक छिद्रयुक्त और प्रवाहकीय त्रि-आयामी संरचना बनाते हैं, जो सूर्य के प्रकाश को प्रभावी रूप से अवशोषित कर विद्युत चार्ज को संग्रहित करती है। इस अनूठी संरचना के कारण यह सामग्री एक साथ सोलर एनर्जी हार्वेस्टर और सुपरकैपेसिटर इलेक्ट्रोड के रूप में काम करती है।

पर्यटन मंत्रालय
भारत सरकार
अतुल्य!भारत

भारत पर्व 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाने, पर्यटन को बढ़ावा देने, विविधता का सम्मान करने और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का एक पर्व है।
नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

राष्ट्र की पहचान
जनमानस की शान

एक ही छत के नीचे भव्य मंच पर अनुभव लें भारत की चेतना का! भारत की एकता और विविधता के भव्य उत्सव भारत पर्व 2026 का आज शुभ समापन हो रहा है। पधारिए और जानिए देश की जीवंत लोक परंपराओं को, मज़ा लीजिए विभिन्न क्षेत्रीय ज़ायकों का और हमें एक सूत्र में पिरोने वाली संस्कृति के सागर में डूब जाइए।

भारत पर्व 2026
26 – 31 जनवरी

लाल किला, दिल्ली
31 जनवरी
दोपहर 12 बजे से रात 9 बजे तक

प्रवेश निशुल्क। कृपया अपना पहचान पत्र साथ लाएं।

CBC 42101/13/0011/2526

गणतंत्र दिवस परेड की झांकियाँ। | सशस्त्र बलों के बैंड की प्रस्तुतियाँ | सांस्कृतिक प्रदर्शन | शिल्प बाजार | स्टूडियो किचन | बहु-व्यंजन फूड कोर्ट

स्कूल और कालेजों के आसपास नशीले पदार्थों की नहीं होगी बिक्री, डीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री, तस्करी, ड्रंक एवं ड्राइव तथा अन्य अवैध नशे की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के मकसद से शुक्रवार को डीएम मेधा रूपम कीअध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में उन्होंने नशा मुक्ति अभियान को और अधिक प्रभावी एवं आकर्षक बनाने के लिए जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करने के निर्देश के साथ ही स्कूल कालेजों के आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया।

समीक्षा बैठक में डीएम ने कहा कि जनपद में मादक पदार्थों की अवैध खरीद, बिक्री, भंडारण एवं तस्करी के विरुद्ध किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि अवेयरनेस कार्यक्रम, अवैध नशे, ड्रंक एवं ड्राइव से संबंधित जनवरी माह में संचालित अभियानों की विस्तृत रिपोर्ट यथाशीघ्र जिला आबकारी अधिकारी की ईमेल आईडी पर उपलब्ध कराई जाए तथा आगामी दिनों में अभियान को और अधिक तेज किया जाए। इसके साथ ही जनवरी माह में की गई समस्त प्रवर्तन कार्रवाई की संकलित रिपोर्ट भी प्रस्तुत किया जाए।

उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति अभियान को और अधिक प्रभावी एवं आकर्षक बनाने के लिए नए एवं सशक्त स्लोगन के साथ जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। जिससे विशेष रूप से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया जा सके। विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर वाद विवाद, चित्रकला, स्लोगन लेखन एवं निबंध प्रतियोगिताओं के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश व्यापक स्तर पर प्रसारित किया जाए। विद्यालयों के आसपास गुटखा, सिगरेट एवं अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए।

बैठक में आबकारी निरीक्षक आशीष पांडेय द्वारा अवैध नशे के विरुद्ध चलाए गए अभियानों, प्रवर्तन कार्रवाइयों तथा वर्तमान स्थिति से डीएम को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आबकारी विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण, चेकिंग एवं प्रवर्तन की कार्रवाई की जा रही है। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, प्रभारी/जिला विद्यालय निरीक्षक दीपा भाटी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, एसीपी कल्पना गुप्ता, जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ श्वेता खुराना सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बेसमेंट बनाने के लिए खोदा गहरा गड्ढा खुला छोड़ने पर दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नोएडा। थाना रबूपुरा में एक उपनिरीक्षक ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि एक बिल्डर ने सार्वजनिक सड़क के पास बेसमेंट बनाने के लिए बहुत बड़ा गड्ढा खोद दिया है। उसमें बारिश का पानी भरा हुआ है, जिसकी वजह से जल प्रदूषण होकर कीचड़ के रंग जैसा हो गया है। इस कारण से वायु प्रदूषण फैल रहा है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना रबूपुरा के प्रभारी निरीक्षक श्याम बाबू शुक्ला ने शुक्रवार को बताया कि उप निरीक्षक आशीष यादव ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि सेक्टर 28 डी में बिल्डर स्टार सिटी का प्रोजेक्ट चल रहा है। उक्त प्रोजेक्ट में सार्वजनिक सड़क के किनारे एक बहुत लंबा और चौड़ा गड्ढा खुदा है। इसे बड़े-बड़े यंत्रों से खुदाई कर बनाया गया है। जिसमें कई महीनों से पानी भरा है। काफी दिनों से पानी भरा होने के कारण जल बहुत ज्यादा प्रदूषित होकर कीचड़ जैसे रंग का हो गया है, एवं उक्त जल में वर्षा के जल द्वारा भी अपने साथ काफी कूड़ा करकट लाकर गड्ढे में भर दिया गया है। जिससे वायु में प्रदूषण फैल कर सुरक्षा एवं स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ रहा है। उक्त गड्ढे के चारों तरफ बाड़ आदि का कोई प्रबंध, संकेतक आदि नहीं लगाए गए हैं। उक्त गड्ढे को इस तरह से काफी समय से सार्वजनिक सड़क में इतने समीप इस दशा में छोड़ना, मानव जीवन के संभावित खतरों को दर्शित होने के साथ-साथ गंभीर दुर्घटना की घटित होने एवं सार्वजनिक मार्ग के पास खुला जलमग्न गड्ढा सार्वजनिक उपद्रव के भी कारण बनने की संभावना को बढ़ा रहा है। उन्होंने बताया कि उक्त गड्ढे के कुछ दूरी पर निर्माणाधीन भूखंड भी है, जिससे यह भी स्पष्ट होता है कि निर्माण प्रबंधन के नियमों का भी कोई पालन नहीं किया गया है। आसपास के किसानों द्वारा भी बताया गया कि जब हम लोग खेतों पर जाते हैं, तो इस जल भराव की गंदी हवा से सांस लेना दूभर हो जाता है।

उन्होंने बताया कि उक्त लापरवाही पूर्ण कृत्य एवं संकट पैदा करने वाले कृत्य के बारे में जानकारी की गई तो ज्ञात हुआ कि उक्त कृत्य स्टार सिटी के बिल्डर के जीएम पुष्कर व प्रोजेक्ट हेड प्रीतम सिंह द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने दोनों को पहले भी कई बार सचेत किया है, लेकिन ये लोग इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

चोरी की बाइक से मोबाइल लूटने वाले गिरोह का सरगना साथी के साथ गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-113 थाने की पुलिस ने चोरी की बाइक पर सवार होकर मोबाइल फोन लूटने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर सरगना समेत दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 23 मोबाइल फोन और दो बाइक बरामद हुईं। पुलिस टीमें गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में दबिश दे रही हैं। डीसीपी नोएडा यमुना प्रसाद ने बताया कि सेक्टर-113 थाना पुलिस को हाल के दिनों में मोबाइल लूट की कई शिकायतें मिली थीं। इसके बाद पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ाई और संदिग्धों पर नजर रखनी शुरू की। मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरोह का सरगना गाजियाबाद निवासी 27 वर्षीय इरशाद है, जबकि उसका साथी लोनी निवासी 26 वर्षीय जुलकाम है। दोनों आरोपी लंबे समय से दिल्ली-एनसीआर में मोबाइल लूट की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे सुबह-शाम सैर पर निकलने वाले लोगों को निशाना बनाते थे, क्योंकि इस दौरान लोग अक्सर मोबाइल पर बात करते हुए चलते हैं। आरोपी चोरी की बाइक का इस्तेमाल करते थे ताकि उनकी पहचान न हो सके। गिरोह के सदस्य पहले रिहायशी इलाकों, पार्कों और मुख्य सड़कों की रेकी करते। जैसे ही कोई व्यक्ति मोबाइल हाथ में लेकर चलता दिखाई देता। वे पीछे से झपट्टा मारकर मोबाइल छीनकर भाग जाते। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि गिरोह के बदमाश लूटे गए मोबाइल फोन को दिल्ली के अलग-अलग बाजारों में बेचते। कई बार वे राहगीरों या जान-पहचान वालों को भी पांच से 10 हजार रुपये में मोबाइल दे देते। दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले से केस दर्ज पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गिरोह का सरगना इरशाद पांचवीं तक पढ़ा है और उसके खिलाफ दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न थानों में छह मुकदमे दर्ज हैं। उसका साथी जुलकाम छठी पास है और उसके खिलाफ दिल्ली और नोएडा के अलग-अलग थानों में आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि इरशाद गाजियाबाद के एक थाने से वांछित भी चल रहा था और उसकी लंबे समय से तलाश की जा रही थी। गिरोह के अन्य साथियों की तलाश जारीः पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ के आधार पर उनके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। उन्हें भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुलिस यह भी पता लगा रही है कि बरामद मोबाइल किन-किन घटनाओं से जुड़े हैं और उनके असली मालिक कौन हैं, ताकि मोबाइल उन्हें वापस किए जा सकें। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सुबह और शाम के समय सैर करते हुए या सड़क पर चलते समय मोबाइल का इस्तेमाल सतर्कता से करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

रेकी कर वाहन चुराने वाले गिरोह का पर्दाफाश

नोएडा। सेक्टर-63 थाने की पुलिस ने रेकी करने के बाद वाहन चोरी करने वाले गिरोह का शुक्रवार को पर्दाफाश कर सरगना समेत छह सदस्यों को गिरफ्तार किया। बदमाशों की निशानदेही पर चोरी की 14 बाइक, एक ऑटो और अन्य सामान बरामद हुआ। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाने की पुलिस टीम जे ब्लॉक में जांच कर रही थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ बदमाश वाहन चुराने की साजिश रच रहे हैं। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और छह संदिग्धों को धर दबोचा। सभी से कड़ाई से पूछताछ हुई तो पता चला कि सभी वाहन चोर गिरोह के बदमाश हैं।

आरोपियों की पहचान राजू सक्सेना उर्फ टीटू, विपिन, अभिषेक, पवन, सुंदरम और समीर अंसारी के रूप में हुई। वे गाजियाबाद क्षेत्र में रहकर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र से बाइक और ऑटो चुराते। इसके बाद इन वाहनों को पार्किंग, सड़क किनारे या ग्रीन बेल्ट जैसी सुनसान जगहों पर खड़ा कर देते। वे इन वाहनों का इस्तेमाल मोबाइल फोन छिनैती और अन्य वारदात में करते। कई मामलों में ये वाहन कम कीमत पर राह चलते लोगों को बेच देते। बरामद की गईं 14 बाइक और एक ऑटो के संबंध में दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद के विभिन्न थानों में पहले से मुकदमे दर्ज हैं। इनमें टीवीएस अपाचे, टीवीएस रेडिओन, हीरो स्प्लेंडर, होंडा शाइन सहित कई लोकप्रिय मॉडल शामिल हैं। बरामद ऑटो बजाज कंपनी का है, जो दिल्ली के सब्जी मंडी थाना क्षेत्र से चोरी हुआ था। कमिश्नरेट पुलिस का कहना है कि बरामद वाहनों की पहचान कर उन्हें संबंधित मालिकों तक पहुंचाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। साथ ही गिरोह से जुड़े अन्य संभावित अपराधों और नेटवर्क की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि गिरोह का नेटवर्क दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद समेत अन्य क्षेत्रों तक फैला हुआ है।

चोरी की गई गाड़ियों को छिपाने और बेचने के लिए आरोपी सुनियोजित तरीके से काम करते थे, जिससे पुलिस को लंबे समय तक सुराग नहीं मिल पाता था। लगातार मिल रही शिकायतों और इनपुट के आधार पर पुलिस ने इनकी गतिविधियों पर नजर रखी और अंततः इन्हें गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। आरोपियों के खिलाफ पहले से केस दर्ज एसीपी उमेश यादव ने बताया कि बदमाशों के आपराधिक इतिहास की जांच करने पर कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इन पर वाहन चोरी के अलावा आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम और एनडीपीएस ऐक्ट के तहत भी मुकदमे दर्ज हैं, विशेष रूप से समीर अंसारी का आपराधिक रिकॉर्ड गंभीर मामलों से जुड़ा हुआ है।

गिरोह लंबे समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय है। गिरोह का सरगना अशिक्षित गिरोह का सरगना राजू सक्सेना अशिक्षित है। पवन ने 12वीं और विपिन ने दसवीं तक की पढ़ाई की है। अन्य आरोपी अशिक्षित हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को नशे की लत है, जिसे पूरा करने के लिए वे वाहन चुराते थे। वाहनों को बेचकर, जो रकम मिलती, उससे बदमाश अपना खर्च चलाते।

गिरोह के बदमाशों ने गाजियाबाद में भी कई वारदात की हैं। बीते दिनों गिरोह के सदस्यों ने सेक्टर-63 थानाक्षेत्र में वारदात की थी।

बेटे-बहू पर पोते को बेचने का आरोप

ग्रेटर नोएडा। जारचा क्षेत्र के गांव में रहने वाली बुजुर्ग विधवा महिला ने बेटे और बहू पर नवजात पोते को बेचने का आरोप लगाया है। महिला ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। बुजुर्ग विधवा का आरोप है कि उसकी बहू ने गुरुवार को एक बेटे को जन्म दिया। बहू और बेटे ने मिलकर एक दलाल के माध्यम से पोते को कुछ राशि लेकर बेच दिया। आरोपी बेटा पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। बुजुर्ग महिला ने बताया कि उसके बेटे के पांच बच्चे हैं, जिसमें तीन लड़के उसके पास रहते हैं और दो बेटियां बहू के पास रहती हैं। यह नवजात छठा बच्चा है। पुलिस का कहना है कि बुजुर्ग महिला की शिकायत पर मामले की जांच की जा रही है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आठवीं का छात्र संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

ग्रेटर नोएडा। तुगलपुर गांव से आठवीं कक्षा का छात्र संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजनों ने उसको काफी तलाश किया, लेकिन उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। पिता ने पुलिस से शिकायत की है। पुलिस के मुताबिक तुगलपुर गांव में रामकुमार भगत किराये के मकान में परिवार के साथ रहते हैं। रामकुमार ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा गांव के स्कूल में आठवीं कक्षा का छात्र है। पिता के मुताबिक उनका बेटा 26 जनवरी को घर से स्कूल गया था। वह वापस घर आया और खेलने के लिए निकल गया। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चला। परिजनों ने उसे काफी तलाश किया, लेकिन उसकी कोई जानकारी नहीं मिली। पिता ने परेशान होकर पुलिस से शिकायत की। नॉलेज पार्क कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस छात्र की तलाश में जुटी है। छात्र को जल्द सकुशल बरामद किया जाएगा।

एनईए के राज्य जीएसटी अधिकारियों संग की बैठक

नोएडा। नोएडा एंट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन (एनईए) के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को सेक्टर-148 स्थित दफ्तर में राज्य जीएसटी अधिकारियों के साथ बैठक की। उनको उद्यमियों की समस्याओं से अवगत कराया गया और समाधान की मांग की गई। एनईए के अध्यक्ष विपिन मल्हन ने कहा कि अधिकारियों एनईए सभागार में कार्यशाला कराने की मांग की गई। राज्य कर जीएसटी के अपर आयुक्त संदीप भागिया ने कहा कि उद्यमियों की जीएसटी से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए नौ फरवरी को सेमिनार होगा।

शिक्षा और खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा। नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड (एनपीसीएल) ने शिक्षा और खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 31 छात्र-छात्राओं को गुरुवार को सम्मानित किया। उनको प्रशस्तिपत्र और पुरस्कार राशि के चेक दिए गए। सभी मेधावी बच्चे ग्रामीण और निम्न आय वर्गीय परिवारों के हैं।

एनपीसीएल के प्रवक्ता मनोज झा ने बताया कि यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने वाले 12 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कुश्ती, दौड़, ऊंची कूद, क्रिकेट और जिम्नास्टिक जैसे विभिन्न खेलों में मंडल और राज्य स्तर पर स्वर्ण और रजत पदक हासिल करने वाले 19 छात्राओं को सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह के दौरान एनपीसीएल के एचआर प्रमुख शरद सिन्हा, बिजली वितरण और संचालन के प्रमुख सारनाथ गांगुली, मेघना डोसी आदि ने छात्र-छात्राओं को पुरस्कार दिए। 10वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 8 छात्र-छात्राओं को 5-5 हजार रुपये की पुरस्कार राशि और 12वीं की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने वाले 4 छात्र-छात्राओं को 7500- 7500 रुपये की पुरस्कार राशि का चेक दिया गया। इसके अलावा खेलों में राज्य स्तर पर रजत पदक जीतने वाले 11 छात्र-छात्राओं को 7-7 हजार रुपये और जिला स्तर पर स्वर्ण पदक हासिल करने वाले 8 छात्र- छात्राओं को 4-4 रुपये की पुरस्कार राशि दी गई।

सम्मानित किए गए छात्र- छात्राएं हबीबपुर, खेड़ी भनौता, सलेमपुर गुर्जर, कासना, लखनावली, घोड़ी बछेड़ा, वैदपुरा, तिलपता, दनकौर, बिसरख आदि गांवों के रहने वाले हैं।

बदसलूकी का विरोध करने पर दुकानदार को पीटा

नोएडा। सेक्टर-9 में शराब के नशे में धुत्त युवकों ने बदसलूकी का विरोध करने पर दुकानदार को घेरकर पीटा। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद और कुछ अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। सेक्टर-9 निवासी मुकेश चौहान ने पुलिस को बताया कि घर के पास ही उनकी फर्नीचर की दुकान है। वह 27 जनवरी को काम अधिक होने के कारण देर शाम दुकान बंद कर रहा थे। इसी दौरान पत्नी का फोन आया और उसने बच्चों के लिए दूध लाने के लिए कहा। वह दुकान बंद कर दूध लेकर घर जा रहे थे। वह पान की दुकान के पास पहुंचे तो वहां कुछ युवक शराब पी रहे थे। आरोप है कि युवकों ने उन्हें अपने पास बुलाया और गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी भाग गए। पीड़ित ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में भोला और राजा नाम के आरोपी को नामजद किया गया है। दोनों के कुछ अज्ञात साथियों के खिलाफ भी केस दर्ज हुआ है। पूरे घटनाक्रम को जानने के लिए पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है।

सर्दी से राहत और प्रदूषण का स्तर बढ़ा

ग्रेटर नोएडा। जिले में शुक्रवार को धूप निकलने से सर्दी से राहत मिली। बीते 24 घंटे में अधिकतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा। वहीं, नोएडा के एक्यूआई में थोड़ी वृद्धि हुई। यहां काएक्यूआई 257 और ग्रेनो का 248 दर्ज किया गया। पिछले दिनों बारिश के साथ ओले पड़ने के बाद ठंड बढ़ गई थी, लेकिन शुक्रवार को मौसम ने करवट ली और दिन में तेज धूप के साथ ही लोगों को हल्की गर्मी का एहसास हुआ। हालांकि, सुबह और शाम ठंड रही।

शुक्रवार को सुबह आठ बजे से ही धूप खिल गई थी। तेज धूप के चलते लोगों को ठंड से राहत मिली। पार्कों में दिन में लोगों की खासी भीड़ देखी गई। लोग सोसाइटी और सेक्टर के पार्कों में धूप सेंकते नजर आए। शुक्रवार को नोएडा का अधिकतम तापमान 20 डिग्री और न्यूनतम आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुरुवार को अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस था। हवा की गति पांच किलोमीटर रही। शुक्रवार को ग्रेनो के एक्यूआई में दो अंकों की कमी दर्ज हुई, जबकि नोएडा का एक्यूआई 10 अंक तक बढ़ गया। गुरुवार को ग्रेनो का एक्यूआई 250 और नोएडा 247 दर्ज किया गया था।

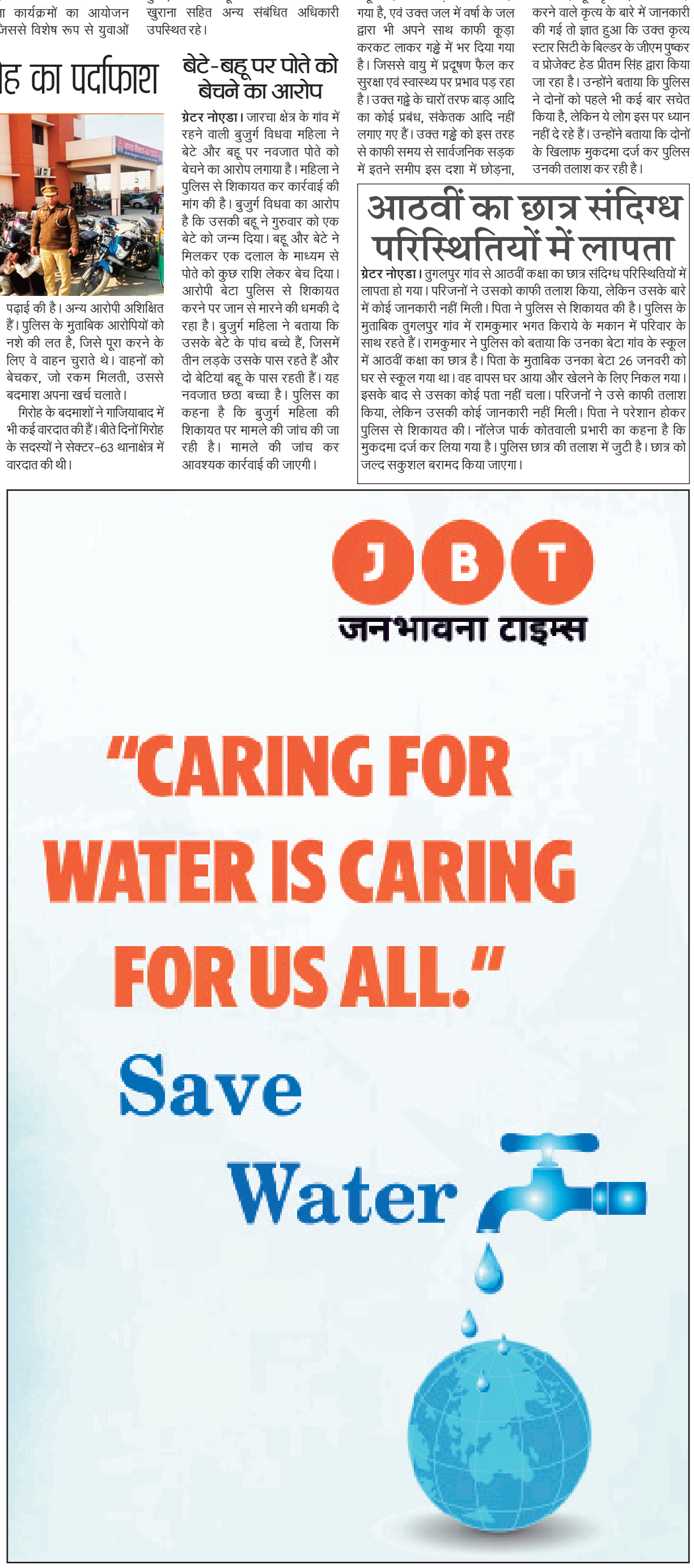

फिर बदलेगा एनसीआर का मौसम

राजधानी में बारिश-आंधी से गिरेगा तापमान, हवा हुई साफ

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने जा रहा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 31 जनवरी और 1 फरवरी को दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश, गरज-चमक और तेज सतही हवाओं का असर देखने को मिलेगा।

इस दौरान न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जाएगी, जिससे ठंड का असर एक बार फिर बढ़ सकता है। मौसम पूर्वानुमान रिपोर्ट के मुताबिक 30 जनवरी को एनसीआर में मध्यम स्तर का कोहरा छाया रहेगा। इस दिन अधिकतम तापमान लगभग 19 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया जाएगा।

31 जनवरी को मौसम और ज्यादा सक्रिय रहने वाला है। दिन की शुरुआत मध्यम से घने कोहरे के साथ होगी, जबकि शाम और रात के समय गरज-चमक के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज सतही हवाओं की संभावना जताई गई है। इस दिन अधिकतम तापमान 20 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

इसी तरह 1 फरवरी को भी मौसम विभाग ने थंडरस्टॉर्म के साथ बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। सुबह के समय कोहरा छाने की संभावना है, जबकि शाम और रात में फिर से बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। इस दिन अधिकतम तापमान 18 डिग्री और न्यूनतम 12 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। लगातार चल रही तेज हवाओं और संभावित बारिश के चलते एनसीआर की हवा सांस लेने लायक हो गई है।

कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) में सुधार दर्ज किया गया है। दिल्ली के आया नगर और सीआरआरआई मथुरा रोड में एक्यूआई 188 (येलो जोन) रिकॉर्ड किया गया। वहीं पुसा में एक्यूआई 169 रहा। हालांकि कुछ इलाकों में प्रदूषण अब भी गंभीर बना हुआ है। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज (304), आरके पुरम (316), सिरीफोर्ट (314) और वजीरपुर (303) रेड जोन में दर्ज किए गए। नोएडा की बात करें तो सेक्टर-62 में एक्यूआई 183 (येलो जोन) रहा, जबकि सेक्टर-125, सेक्टर-1 और सेक्टर-116 में एक्यूआई 264 से 267 के बीच रिकॉर्ड किया गया। गाजियाबाद के इंदिरापुरम (288), संजय नगर (217) और वसुंधरा (314) जैसे इलाकों में हवा की गुणवत्ता अलग-अलग श्रेणियों में दर्ज की गई, वहीं लोनी में एक्यूआई 316 के साथ स्थिति गंभीर बनी रही। मौसम विभाग ने लोगों को बारिश और तेज हवाओं के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है। खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने तथा वाहन चालकों को कोहरे में सावधानी बरतने की हिदायत दी गई है।

दिल्ली महिला आयोग के ठीक से काम न करने को लेकर हाई कोर्ट में सांसद की याचिका

नई दिल्ली। सांसद सुधाकर सिंह ने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर करके दिल्ली महिला आयोग के लंबे समय से काम नहीं करने का आरोप लगाया गया है। याचिका में कहा गया है कि दिल्ली महिला आयोग के चेयरपर्सन का पद जनवरी, 2024 से खाली है। याचिकाकर्ता की ओर से वकील सत्यम सिंह राजपूत ने याचिका दायर करके कहा है कि दिल्ली महिला आयोग में कोई काम नहीं होता। न तो वहां कोई हेल्प डेस्क कार्यरत है और न ही कोई अधिकारी या स्टाफ महिलाओं की शिकायतों को सुनने वाला है। याचिका में कहा गया है कि दिल्ली महिला आयोग कार्यदिवस के दौरान बंद रहता है, जिसकी वजह से क्राइसिस सेल पूरी तरह खत्म हो चुका है। याचिका में कहा गया है कि दिल्ली महिला आयोग का कार्यशील नहीं होना महिलाओं को न्याय और सुरक्षा पाने के संविधान के अनुच्छेद 14, 15(3) और 21 का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया है कि दिल्ली में महिलाओं के साथ देश भर में सर्वाधिक मामले दर्ज होते हैं, लेकिन उसके बावजूद दिल्ली महिला आयोग का कार्यशील नहीं होना गंभीर बात है। याचिका में न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की गई है, ताकि दिल्ली महिला आयोग को एक तय समय सीमा में कार्यशील बनाकर महिलाओं की शिकायतों का निपटारा किया जा सके। याचिका में मांग की गई है कि दिल्ली महिला आयोग में चेयरपर्सन के खाली पड़े पद को तुरंत भरने के साथ ही आयोग में पर्याप्त स्टाफ नियुक्त किया जाए।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में एक लड़के का शव मिला, पुलिस को मां के प्रेमी पर संदेह

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में शुक्रवार को 12 वर्षीय लड़के का शव मिला जिसके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लड़के की मां के सहजीवन साथी ('लिव इन पार्टनर') की इस मामले में संदिग्ध के रूप में पहचान की गई। उसने बताया कि पुलिस को सुबह नौ बजकर 50 मिनट पर लड़के के बारे में सूचना मिली जिसके बाद वह शास्त्री पार्क चौक लूप के पास घटनास्थल पर पहुंची जहां सातवीं कक्षा का छात्र बेहोश पाया गया। पुलिस ने बताया कि लड़के को तत्काल जग प्रवेश चंद्र (जेपीसी) अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसने बताया कि लड़के को सिर पर घाव समेत कई चोटें आई थीं। पुलिस ने बताया कि गंभीर मारपीट के निशान और आंखों पर चोटें देखी गईं, जिसके कारण विस्तृत फोरेंसिक जांच शुरू की गई। उसने बताया कि मुख्य संदिग्ध बच्चे की मां का सहजीवन साथी है। बच्चे के पिता का कुछ साल पहले निधन हो गया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''शास्त्री पार्क पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।'' उन्होंने बताया कि फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया और सबूत इकट्ठा किए। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से प्राप्त रक्त के नमूने और अन्य साक्ष्य वैज्ञानिक विश्लेषण के लिए सुरक्षित रख लिए गए हैं। पुलिस ने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है।

हत्या के मामले में वांछित व्यक्ति मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के वेलकम इलाके में गोलीबारी और हत्या के मामले में वांछित व्यक्ति को शुक्रवार को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी मोहम्मद मोइन कुरैशी (24) को तिमारपुर इलाके में विशेष प्रकोष्ठ की टीम ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर एक टीम तैनात की गई थी और आरोपी को तिमारपुर इलाके में एक मोटरसाइकिल पर देखा गया। जब पुलिस की टीम ने कुरैशी को रोकने का प्रयास किया तो उसने भागने की कोशिश की और गोली चला दी जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोलीबारी की। पुलिस ने बताया, ''कुछ देर की गोलीबारी के बाद कुरैशी को काबू कर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की गोली लगने से घायल कुरैशी को पास के अस्पताल ले जाया गया।''

दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के नकली जूते बनाने वाली इकाई का भंडाफोड़, मालिक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कई अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के नकली जूते बनाने वाली एक विनिर्माण इकाई का भंडाफोड़ कर इसके मालिक को पूर्वोत्तर दिल्ली से गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक बयान के अनुसार, यह इकाई सोनिया विहार इलाके में संचालित की जा रही थी जहां कथित तौर पर बड़े पैमाने पर 'न्यू बैलेंस', 'नाइकी', 'एडिडास' और 'स्केचर्स' जैसे ब्रांड के नकली स्पोर्ट्स जूते बनाए जा रहे थे। आरोपी की पहचान सोनिया विहार के निवासी संदीप सिंह (44) के रूप में हुई है। उसे छापेमारी के दौरान मौके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 28 जनवरी को पूर्वोत्तर दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के नकली जूते बनाने वाली इकाई के बारे में सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने संबंधित कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर वहां छापा मारा। छापेमारी के दौरान परिसर में जूते बनाने की एक पूरी फैक्ट्री चालू पाई गई। कंपनियों के अधिकृत प्रतिनिधियों ने पुष्टि की कि इकाई उनकी कंपनियों के 'लोगो' और ब्रांड नाम का अनधिकृत उपयोग कर कर जूते बना रही थी। पुलिस ने मौके से छह मशीनें, नौ प्रिंटिंग स्क्रीन और 131 डाइ बरामद की हैं। जब्त की गई सामग्री का इस्तेमाल कंपनियों के लोगो और ब्रांड नाम छापने में किया जा रहा था। इसके अलावा, जूते बनाने में इस्तेमाल होने वाले छह रोल और बड़ी मात्रा में कच्चा माल भी जब्त किया गया। पुलिस ने बताया, छापेमारी के दौरान विभिन्न ब्रांड के जूतों के 9,616 ऊपरी हिस्से और उक्त कंपनियों के लोगो वाली 1,667 'स्टिकर शीट' भी बरामद की गईं। इस मामले में धोखाधड़ी, जालसाजी और कॉपीराइट उल्लंघन से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसने कक्षा 12 तक पढ़ाई की है और वर्ष 2000 में उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले से दिल्ली आया था।

दिल्ली की सीएम ने पार्क स्ट्रीट इलेक्ट्रिक रिसीविंग सब-स्टेशन का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री गुप्ता ने आज पार्क स्ट्रीट इलेक्ट्रिक रिसीविंग सब-स्टेशन (आरएसएस) का उद्घाटन किया। यह इलेक्ट्रिक रिसीविंग सब-स्टेशन प्रमुख मेट्रो कॉरिडोर्स में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।

मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन राजधानी में निरंतर विश्वस्तरीय पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कैंपस में पौधरोपण करते हुए यह संकल्प भी दोहराया कि विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलें। इस अवसर पर दिल्ली मेट्रो के अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि पार्क स्ट्रीट आरएसएस का निर्माण मूल रूप से 2010 में दिल्ली मेट्रो के दूसरे चरण के दौरान डीएमआरसी एयरपोर्ट लाइन और लाइन-6 (वायलेट लाइन) को बिजली आपूर्ति करने के लिए किया गया था। 2021-22 के दौरान, सेंट्रल विस्टा परियोजना के निर्माण को सुगम बनाने के लिए इसको आरएसएस पर स्थानांतरित कर दिया गया। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) द्वारा उपलब्ध कराई गई वैकल्पिक भूमि पर एक नए आरएसएस का पुनर्निर्माण 2023 में शुरू हुआ, जो दिसंबर 2025 में पूरा हुआ, जिसमें इंद्रप्रस्थ से आरके आश्रम मार्ग तक सेंट्रल-विस्टा मेट्रो लाइन की बिजली आवश्यकता का उचित ध्यान रखा गया। सभी प्रमुख मौजूदा विद्युत उपकरणों को पुनः स्थापित करके चालू कर दिया गया है, जिनमें 66 केवी पावर ट्रांसफार्मर, 66 केवी जीआईएस पैनल, 33 केवी पैनल और 25 केवी जीआईएस पैनल शामिल हैं। नया संयुक्त आरएसएस एयरपोर्ट लाइन और लाइन-6 की मेट्रो ट्रेनों और स्टेशनों को बिजली की आपूर्ति करेगा। इसके अलावा, आगामी सेंट्रल विस्टा मेट्रो लाइन (इंद्रप्रस्थ से आरके आश्रम मार्ग तक) के चरण-5ए विस्तार परियोजना के अंतर्गत कर्षण विद्युत आवश्यकताओं के लिए अतिरिक्त 25 केवी फीडर प्रदान किए गए हैं। नई आरएसएस सुविधा का निर्माण नवीनतम मानकों के अनुसार किया गया है, जिसमें उन्नत सबस्टेशन ऑटोमेशन सिस्टम, ऊर्जा-कुशल वीआरएफ (वेरिएबल रेफ्रिजरेंट फ्लो) एयर कंडीशनिंग और एलईडी लाइटिंग शामिल हैं। उन्नत सुरक्षा उपायों में ट्रांसफार्मर की सुरक्षा के लिए स्वचालित अग्नि सुरक्षा प्रणाली और विद्युत पैनल शामिल हैं, जिनमें परिचालन विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से एड्रेसेबल फायर अलार्म सिस्टम भी है। नया आरएसएस ग्रीन बिल्डिंग मानकों के अनुरूप डिजाइन किया गया है और इसके प्रमाणन के लिए आवेदन किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, परिचालन की स्थिरता को और बढ़ाने तथा कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए सोलर रूफटॉप पावर सिस्टम लगाने की योजना है। केंद्र सरकार की सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत पार्क स्ट्रीट आरएसएस का पूरा होना, आधुनिक, सुरक्षित और टिकाऊ बुनियादी ढांचे के प्रति डीएमआरसी की प्रतिबद्धता में एक और कदम है, जो दिल्ली मेट्रो के विस्तारित नेटवर्क के लिए विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करता है।

संस्कृति मंत्रालय की झांकी 'वंदे मातरम' को मिला प्रथम पुरस्कार

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड में संस्कृति मंत्रालय ने दो बड़े पुरस्कार अपने नाम किए। 'वंदे मातरम' के 150 वर्षों के सफर को दर्शाती झांकी सर्वश्रेष्ठ चुनी गई, जबकि उसकी भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुति स्वंदे मातरमः भारत की शाश्वत गूंजश को इसकी विषयगत उत्कृष्टता के लिए विशेष सम्मान दिया गया। संस्कृति मंत्रालय के अनुसार झांकी ने 'वंदे मातरम' गीत के 150 साल के सफर को बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इसमें दिखाया गया कि कैसे बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की यह रचना राष्ट्रीय जागरण का प्रतीक बनी और स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आधुनिक भारत की एकता तक अपनी भूमिका निभाती रही। संगीत नाटक अकादमी और उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (पटियाला) द्वारा आयोजित विशेष नृत्य प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस प्रस्तुति में सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 2,500 कलाकारों ने भाग लिया और शास्त्रीय, लोक और आदिवासी कला रूपों के माध्यम से भारत की विशाल सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित किया। इस नृत्य प्रस्तुति ने भारत की आध्यात्मिक चेतना और अमर बलिदानों की गाथा को जीवंत कर दिया। संस्कृत मंत्रों और सधे हुए नृत्य के जरिए 'वंदे मातरम' की आत्मा को मंच पर उतारा गया, जिसका गौरवशाली समापन तिरंगे को दी गई भावपूर्ण सलामी के साथ हुआ। संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष डॉ. संध्या पुरेचा ने समग्र रचनात्मक निर्देशक के रूप में सांस्कृतिक प्रस्तुति का नेतृत्व किया। ऑस्कर विजेता संगीतकार एमएम कीरावानी ने संगीत निर्देशन किया, जबकि गीत सुभाष सहगल ने लिखे। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता अनुपम खेर ने वॉइस ओवर दिया, संतोष नायर ने नृत्य प्रस्तुत किया और संध्या रमन ने वेशभूषा तैयार की।

सरोजिनी नगर पुलिस की कार्रवाई: तीन लुटेरे गिरफ्तार, पांच मामलों का खुलासा

नई दिल्ली। दिल्ली की दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने सरोजिनी नगर थाना क्षेत्र में तीन चोरों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल, नकद 28,150 रुपए, चोरी के गहने और वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद किया है। इस कार्रवाई से कुल पांच आपराधिक मामलों का खुलासा हुआ है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शेर सिंह (निवासी द्वारकापुरी, सुदामा नगर, इंदौर, मध्य प्रदेश), हरमेंद्र (निवासी कच्ची बस्ती, बड़वास, उदयपुर, राजस्थान) और 39 वर्षीय मनजीत (निवासी कच्ची बस्ती, बेड़वास, पोस्ट ऑफिस देबराई, उदयपुर, राजस्थान) के रूप में हुई है। 26 जनवरी की सुबह करीब 8:14 बजे सरोजिनी नगर थाने में एक पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया था कि सेक्टर-13, आरके पुरम स्थित अनंत राम डेयरी के पास चाकू दिखाकर लूट की कोशिश की गई है। इस पर पुलिस ने तुरंत एफआईआर कर मामला दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर अतुल त्यागी, एसएचओ सरोजिनी नगर के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। टीम में एसआई दीपक लॉयल, हेड कांस्टेबल पंकज, अमरजीत, पुष्पेंद्र, रघुवीर, अजीत, मैनपाल और कांस्टेबल भारत सोलंकी और महेश शामिल थे। एसीपी सफदरजंग एन्क्लेव की निगरानी में टीम ने इलाके में लगातार फील्डवर्क किया, स्थानीय जानकारी जुटाई और तकनीकी जांच के साथ 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तीनों आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान मनजीत सिंह ने बताया कि वह उदयपुर का रहने वाला है और पेशे से ताला-चाबी बनाने का काम करता है, जो उसके परिवार का पारंपरिक पेशा है। वह अक्सर गुरुद्वारों के दर्शन के लिए दिल्ली आता रहता है। 24 जनवरी को वह अपने जीजा शेर सिंह और साथी हरमेंद्र के साथ दिल्ली आया था। तीनों गुरुद्वारा बंगला साहिब और चांदनी चौक गुरुद्वारे में रुके। आरोपियों ने बताया कि वे नशे के आदी हैं और रोजाना करीब 7,000 से 8,000 रुपए खर्च कर देते थे। पैसों की कमी के चलते उन्होंने लूट की योजना बनाई। शकरपुर इलाके से एक मोटरसाइकिल चुराई और लक्ष्मी नगर में एक घर से गहने चोरी की। 26 जनवरी की सुबह करीब 5 बजे उन्होंने साउथ कैंपस के अंबेडकर पार्क के पास एक महिला से चाकू दिखाकर लूट की कोशिश की, लेकिन महिला के शोर मचाने पर भाग गए। इसके बाद वे एआरडी कॉम्प्लेक्स पहुंचे, जहां एक बाइक सवार को निशाना बनाया। हरमेंद्र ने चाकू दिखाकर धमकाया, मनजीत उसकी जेबें टटोलने लगा और शेर सिंह ने बाइक की चाबी निकाल ली। पीड़ित ने हेलमेट से हमला किया तो डरकर तीनों मौके से फरार हो गए। गणतंत्र दिवस के चलते भारी पुलिस तैनाती देखकर उन्होंने आगे की कोशिश छोड़ दी। बाद में नेताजी नगर और सरोजिनी नगर इलाके में दोबारा लूट की योजना बनाते समय पुलिस ने उन्हें धर दबोचा।

दिल्ली में पानी के बिल पर अधिशुल्क माफी योजना 15 अगस्त तक बढ़ायी गयी: जल मंत्री

नई दिल्ली। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने पानी के बिल पर अधिशुल्क (भुगतान में देरी पर लगाया जाने वाला जुर्माना) माफी योजना की समयसीमा बढ़ाकर 15 अगस्त कर दी है और तीन लाख से अधिक लोग अब तक इस योजना का लाभ उठा चुके हैं। उन्होंने बताया कि घरेलू श्रेणी में 16 लाख से अधिक उपभोक्ताओं पर जल बिल का बकाया है। वर्मा ने बताया कि योजना लागू होने के बाद से उपभोक्ताओं को अब तक 1,493 करोड़ रुपये की छूट दी जा चुकी है, जबकि दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) द्वारा 430 करोड़ रुपये की राशि राजस्व के रूप में सफलतापूर्वक वसूली गई है। उन्होंने कहा, ''अगले 'बिलिंग' चक्र के बाद वसूली में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की उम्मीद है, जब उपभोक्ताओं को अधिशुल्क माफी को दर्शाते हुए अद्यतन बिल प्राप्त होंगे।'' उन्होंने बताया कि अब तक 3.30 लाख उपभोक्ताओं ने पानी के बिल पर अधिशुल्क माफी योजना का लाभ लिया है। सरकार का लक्ष्य दिल्ली जल बोर्ड के 5,000 करोड़ रुपये के बकाया की वसूली करना है, जबकि लगभग 11,000 करोड़ रुपये के अधिशुल्क को माफ किया जा रहा है। गौरतलब है कि 14 अक्टूबर को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घरेलू उपभोक्ताओं के पानी बिल पर देरी से भुगतान करने पर लगाए अर्थदंड को 31 जनवरी तक पूरी तरह माफ करने की घोषणा की थी। समयसीमा बढ़ाने के फैसले पर वर्मा ने कहा, ''हमें जनप्रतिनिधियों और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएश से योजना की समयसीमा बढ़ाने के लिए लगातार अनुरोध मिल रहे थे। इसके अलावा, डीजेबी की बिलिंग प्रणाली में कई समस्याएं हैं, जिनके कारण जो लोग योजना का लाभ लेना चाहते हैं, वे ऐसा नहीं कर पा रहे हैं। अब हम इन समस्याओं को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने यह भी बताया कि सरकार 'जल लोक अदालत' शुरू करने की योजना बना रही है, जहां बिलिंग से जुड़ी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा सकेगा। नयी योजना के तहत उपभोक्ताओं को केवल मूल राशि का भुगतान करना होगा, जबकि पूरे अधिशुल्क को एकमुश्त राहत के तौर पर पूरी तरह माफ किया जा रहा है।

विजेंद्र गुप्ता ने गांधीजी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर विधानसभा परिसर में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर महात्मा गांधी के स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय योगदान का स्मरण करते हुए गुप्ता ने कहा कि गांधीजी का जीवन और उनका बलिदान आज भी राष्ट्र की लोकतांत्रिक चेतना और सामूहिक अंतरात्मा का मार्गदर्शन करता है। इस अवसर पर विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, विधानसभा के सदस्य तथा दिल्ली विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे और सभी ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। अध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि गांधीजी को नमन करते हैं, जिनके बलिदान ने भारत की स्वतंत्रता को सत्य, अहिंसा और निःस्वार्थ सेवा के उच्चतम आदर्शों से पवित्र किया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि नैतिक बल और आचारिक शुचिता ही स्थायी सुशासन और राष्ट्रीय एकता की सुदृढ़ नींव हैं। दिल्ली विधानसभा भवन की ऐतिहासिक विरासत का उल्लेख करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि गांधीजी के विचारों और आंदोलनों ने भारत की संसदीय लोकतांत्रिक परंपराओं को गहराई से प्रभावित किया। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि सत्य और अहिंसा का मार्ग एक सशक्त, आत्मनिर्भर और समरस भारत के निर्माण के लिए आज भी अत्यंत आवश्यक है। आज महात्मा गांधी को स्मरण करते हुए हम यह संकल्प लेते हैं कि उनके द्वारा स्थापित संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप ईमानदारी, पारदर्शिता और निःस्वार्थ सेवा की भावना के साथ राष्ट्र की सेवा करेंगे।

विस अध्यक्ष ने आतिशी के वीडियो, प्राथमिकी मामले में पंजाब सरकार के रवैए पर जताई चिंता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने नेता प्रतिपक्ष आतिशी के वीडियो और एफआईआर मामले पर पंजाब सरकार के रवैये पर गहरी चिंता व्यक्त की है। गुप्ता ने कहा कि अब तक जिस प्रकार से संबंधित फाइल को रोके रखा गया है, उससे कई गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं। पंजाब सरकार ने न तो अब तक एफआईआर की प्रति उपलब्ध कराई और न ही शिकायत की कॉपी ही सौंपी है और यहां तक कि जांच से संबंधित कोई आधिकारिक रिपोर्ट भी सार्वजनिक नहीं की गयी है। यह स्थिति पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। विधानसभा अध्यक्ष ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस मामले में जिस तरह की चुप्पी और टालमटोल देखने को मिल रही है, उससे यह प्रतीत होता है कि कुछ तथ्यों को जानबूझकर छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रकरण के तार सीधे तौर पर पंजाब के मुख्यमंत्री तक जुड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो इस मामले की गंभीरता को और बढ़ा देता है। लोकतंत्र में जवाबदेही सर्वोपरि है और किसी भी सरकार को इससे बचने का अधिकार नहीं है। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली विधानसभा इस विषय को किसी भी रूप में हल्के में नहीं लेगी। यह मामला केवल प्रशासनिक या राजनीतिक नहीं है, बल्कि यह हमारे गुरुओं के सम्मान और आस्था से जुड़ा हुआ है। ऐसे संवेदनशील विषयों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही या असंवेदनशीलता को स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि गुरुओं के अपमान के बाद जिस तरह से झूठ फैलाया गया और अनावश्यक शोर मचाया गया।

संपादकीय

ट्रंप का नया पैतरा 'बोर्ड ऑफ पीस'

दावोस में हाल ही में संपन्न विश्व आर्थिक मंच से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित 'बोर्ड ऑफ पीस' को वैश्विक शांति के लिए एक निर्णायक और साहसिक पहल के तौर पर पेश किया गया। इस चमकदार घोषणा के पीछे देखते ही यह स्पष्ट हो गया कि यह शांति निर्माण की कोशिश कम, ट्रंपियन कूट नीति का विस्तार अधिक है। एक ऐसी शैली जो संस्थाओं को कमजोर करने, अंतर्राष्ट्रीय नियमों को दरकिनार करने और वैश्विक राजनीति को व्यक्ति केंद्रित कोशिश में बदल देती है। भारत का इस पहल से खुद को दूर रखना सैद्धांतिक असहमति का संकेत है। इस चार्टर पर हस्ताक्षर करने वाले देशों में कई मध्य पूर्व, एशियाई और लातिन अमेरिकी राज्यों के अलावा सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, मोरक्को, इंडोनेशिया, बहरीन, कजाकिस्तान, उज़्बेकिस्तान, आर्मेनिया, अज़रबैजान, पाकिस्तान, जार्डन, मंगोलिया, कतर, तुर्की, हंगरी, अर्जेंटीना, पराग्वे और कॉसोव भी शामिल हैं। बोर्ड ऑफ पीस को औपचारिक रूप से गाजा में युद्ध विराम और पुनर्निर्माण की निगरानी के लिए स्थापित बताया गया है। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से गाजा का उल्लेख इस आधिकारिक चार्टर में नहीं है। इसके बजाए यह दस्तावेज बोर्ड को दुनिया के किसी भी हिस्से में संघर्षों से 'निपटने' का व्यापक और स्पष्ट अधिकार देता है। इसका सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि स्वयं राष्ट्रपति ट्रंप ने इस बोर्ड को एक तरह से 'जो चाहे कर सकते हैं' के रूप में प्रस्तुत किया है। जो इसके मंतव्य की वास्तविक प्रकृति को स्पष्ट रूप से उजागर करता है। यह सहयोग की नहीं दबाव और प्रतिशोध की कूटनिती है। भारत जैसे देश के लिए यह मॉडल न केवल अस्वीकार्य है बल्कि दीर्घकालिक रूप से हानिकारक भी है। संयुक्त राष्ट्र की सीमाएं और विफलताएं दुनिया से छिपी नहीं हैं। भारत सुरक्षा परिषद की अप्रासंगिकता और असमान संरचना का लंबे समय से आलोचक रहा है। ट्रंपियन कूटनीति को सुधार की नहीं बल्कि समानांतर ढांचे के जरिए संस्थाओं को अप्रासंगिक करने की कोशिश भर है। बोर्ड ऑफ पीस जैसे मंच संयुक्त राष्ट्र की कमियों को दूर नहीं करते, वह वैश्विक शासन को और अधिक खंडित करते हैं। ठीक उसे समय जब दुनिया को सहयोग और समन्वय की सबसे अधिक जरूरत है। ट्रंप की एक तरफ कोशिश भारत के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार के तर्क को और मजबूत करती है। यदि वैश्विक संस्थाएं जवाबदेह और जिम्मेदार होती तो ऐसे व्यक्ति-केंद्रित विकल्पों के लिए विश्व में कोई जगह नहीं बचती।

ज़ेब्रा दिवस और वन्यजीव संरक्षण की पुकार

पाठकों को बताता चलूं कि ज़ेब्रा केवल एक आकर्षक जीव नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। इन्हें पारिस्थितिकी तंत्र का इंजीनियर कहा जाता है, क्योंकि ये घास के मैदानों को संतुलित और स्वस्थ बनाए रखते हैं। ज़ेब्रा लंबी और सख्त घास को खाते हैं, जिससे नीचे से कोमल घास उगती है, जिसे विल्डेबीस्ट जैसे अन्य शाकाहारी जीव खाते हैं। इस तरह ज़ेब्रा अनेक प्रजातियों के जीवन को अप्रत्यक्ष रूप से सहारा देते हैं। सूखे के समय ये पानी के स्त्रोत खोज लेते हैं, जिससे अन्य जानवरों को भी लाभ होता है।ज़ेब्रा, घोड़े और गधों के परिवार इक्वस से संबंध रखते हैं, फिर भी इन्हें कभी पालतू नहीं बनाया जा सका। इसका कारण इनका स्वभाव है-ज़ेब्रा अत्यधिक डरपोक होने के साथ-साथ बेहद आक्रामक भी होते हैं। अफ्रीका के खुले मैदानों में शेरों और तेंदुओं जैसे शिकारी जीवों के बीच रहने के कारण इनमें आत्मरक्षा की प्रवृत्ति अत्यंत तीव्र होती है। इनकी लात (किक) इतनी शक्तिशाली होती है कि वह शेर का जबड़ा तक तोड़ सकती है।

-सुनील कुमार महला-

31 जनवरी को प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय ज़ेब्रा दिवस (इंटरनेशनल ज़ेब्रा डे) मनाया जाता है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य ज़ेब्रा जैसे दुर्लभ, सुंदर और उपयोगी वन्य जीव के संरक्षण के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना है। आज तेज़ी से बढ़ते शहरीकरण, औद्योगिकीकरण, खेती और बस्तियों के विस्तार के लिए वनों की अंधाधुंध कटाई, अवैध शिकार, जलवायु परिवर्तन तथा पानी की बढ़ती कमी के कारण ज़ेब्रा के प्राकृतिक आवास लगातार नष्ट हो रहे हैं। इसका सीधा परिणाम यह है कि ज़ेब्रा की आबादी में तेज़ गिरावट दर्ज की जा रही है।

पाठकों को बताता चलूं कि ज़ेब्रा केवल एक आकर्षक जीव नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। इन्हें पारिस्थितिकी तंत्र का इंजीनियर कहा जाता है, क्योंकि ये घास के मैदानों को संतुलित और स्वस्थ बनाए रखते हैं। ज़ेब्रा लंबी और सख्त घास को खाते हैं, जिससे नीचे से कोमल घास उगती है, जिसे विल्डेबीस्ट जैसे अन्य शाकाहारी जीव खाते हैं। इस तरह ज़ेब्रा अनेक प्रजातियों के जीवन को अप्रत्यक्ष रूप से सहारा देते हैं। सूखे के समय ये पानी के स्त्रोत खोज लेते हैं, जिससे अन्य जानवरों को भी लाभ होता है।ज़ेब्रा, घोड़े और गधों के परिवार इक्वस से संबंध रखते हैं, फिर भी इन्हें कभी पालतू नहीं बनाया जा सका। इसका कारण इनका स्वभाव है-ज़ेब्रा अत्यधिक डरपोक होने के साथ-साथ बेहद आक्रामक भी होते हैं। अफ्रीका के खुले मैदानों में शेरों और तेंदुओं जैसे शिकारी जीवों के बीच रहने के कारण इनमें आत्मरक्षा की प्रवृत्ति अत्यंत तीव्र होती है। इनकी लात (किक) इतनी शक्तिशाली होती है कि वह शेर का जबड़ा तक तोड़ सकती है। यही कारण है कि ज़ेब्रा किसी को अपनी पीठ पर बैठने नहीं देते। ज़ेब्रा का शरीर मूल रूप से काला माना जाता है, जिस पर सफेद

धारियाँ होती हैं। भ्रूण अवस्था में ज़ेब्रा पूरी तरह काला होता है; विकास के दौरान सफेद धारियाँ बाद में उभरती हैं। ये धारियाँ केवल सौंदर्य का कारण नहीं, बल्कि प्रकृति की एक अद्भुत वैज्ञानिक रचना हैं। ज़ेब्रा की धारियाँ शरीर के लिए प्राकृतिक एसी का काम करती हैं। दरअसल, इनकी काली धारियाँ गर्मी को सोखती हैं, जबकि सफेद धारियाँ उसे परावर्तित करती हैं। इससे त्वचा के ऊपर हवा की सूक्ष्म लहरें बनती हैं, जो अफ्रीका की भीषण गर्मी में शरीर को ठंडा रखने में मदद करती हैं।इसके अलावा ज़ेब्रा की धारियाँ एक प्राकृतिक बारकोड हैं। दुनिया में किसी भी दो ज़ेब्रा की धारियाँ एक जैसी नहीं होतीं-बिल्कुल इंसानों की उंगलियों के निशानों की तरह। ज़ेब्रा परिवार के सदस्य एक-दूसरे को इन्हीं पैटर्न्स के माध्यम से पहचानते हैं। यही धारियाँ मक्खियों और परजीवी कीटों से भी रक्षा करती हैं। शोध बताते हैं कि ज़ेब्रा की धारियाँ मक्खियों की आँखों को भ्रमित कर देती हैं, जिसे 'मोशन डैज़ल' कहा जाता है, और वे ज़ेब्रा पर ठीक से बैठ नहीं पातीं। यह एक प्रभावी प्राकृतिक कीट-रक्षक है। जब ज़ेब्रा का पूरा झुंड एक साथ दौड़ता है, तो उनकी धारियाँ मिलकर एक बड़ा, हिलता-डुलता दृश्य बना देती हैं, जिससे शेर जैसे शिकारी यह तय नहीं कर पाते कि एक ज़ेब्रा कहाँ शुरू होता है और कहाँ समाप्त। यही भ्रम ज़ेब्रा की जान बचाता है। ज़ेब्रा लगभग 65 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से लंबे समय तक दौड़ सकते हैं और जिग-जैग मोशन में भागकर शिकारियों को धोखा देते हैं।

ज़ेब्रा झुंड में रहना पसंद करते हैं, जिसे 'डैज़ल' या 'जील' कहा जाता है। झुंड में चलते समय सामान्यतः नर ज़ेब्रा आगे रहता है और मादाएँ उसके पीछे। यदि कोई ज़ेब्रा घायल हो जाए, तो पूरा झुंड उसकी रक्षा के लिए एकजुट हो जाता है। ज़ेब्रा और शुतुरमुर्ग अथवा विल्डेबीस्ट के बीच गहरी दोस्ती देखने को मिलती है। शुतुरमुर्ग दूर तक देख सकता है, जबकि ज़ेब्रा की सूंघने और सुनने की शक्ति अधिक विकसित होती है।इस प्रकार ये एक-दूसरे को खतरे की सूचना देकर बचाते हैं। जानकारी मिलती है कि ज़ेब्रा की इंद्रियाँ अत्यंत विकसित होती हैं। इनकी नाइट विज़न गजब की होती है। ये खड़े-खड़े भी सो सकते हैं और सोते समय भी इनके कान चारों दिशाओं में घूमते रहते हैं। ज़ेब्रा कानों और पूँछ की स्थिति के माध्यम से संवाद करते हैं। ये रंग पहचान सकते हैं, हालांकि ऑरेंज रंग नहीं देख पाते। ज़ेब्रा घोड़ों की तरह हिनहिनाते नहीं; उनकी आवाज़ गधे और कुत्ते के भौंकने का मिश्रण होती है, जिसे क्वा-हा जैसी ध्वनि से जोड़ा जाता है।

ज़ेब्रा के शिशु जन्म के मात्र 6 मिनट में खड़, 10 मिनट में चलने और लगभग 20 मिनट में दौड़ने लगते हैं। शिशु लगभग एक वर्ष तक माँ का दूध पीते हैं। मादा ज़ेब्रा अपने बच्चों की रक्षा के लिए अत्यंत साहसी होती है। हालांकि, ज़ेब्रा पेड़ों पर नहीं चढ़ते, लेकिन माउंटेन ज़ेब्रा चट्टानी पहाड़ों पर चढ़ने में माहिर होते हैं। उनके नुकीले और सख्त खुर उन्हें खड़ी ढलानों पर भी वैसी ही पकड़ देते हैं जैसी किसी पेशेवर पर्वतारोही के जूतों को मिलती है। यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि घोड़े और ज़ेब्रा एक साथ नहीं रह सकते, क्योंकि ज़ेब्रा कुछ ऐसे वायरस के वाहक होते हैं जिनका उन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता, लेकिन वही वायरस घोड़ों के लिए घातक सिद्ध हो सकते हैं।

वास्तव में, ज़ेब्रा किसी एक प्रजाति का नाम नहीं, बल्कि इक्वस वंश की तीन प्रमुख प्रजातियों का सामूहिक नाम है-मैदानी ज़ेब्रा, पर्वतीय ज़ेब्रा और ग्रेवीज़ ज़ेब्रा। ये मुख्य रूप से अफ्रीका के घास के मैदानों और खुले जंगलों में पाए जाते हैं, जिनमें केन्या, तंज़ानिया, इथियोपिया, दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया, बोत्सवाना और ज़िम्बाब्वे शामिल हैं। यदि हम यहां पर ज़ेब्रा की जनसंख्या आंकड़ों की बात करें तो 2026 के हालिया वन्यजीव गणना के अनुसार, दुनिया में कुल मिलाकर लगभग 5.5 लाख से 6 लाख ज़ेब्रा बचे हैं।मैदानी ज़ेब्रा सबसे आम प्रजाति है, जिनकी अनुमानित संख्या लगभग 5 लाख है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में शिकार और आवास की कमी के कारण इनकी संख्या में लगभग 25% गिरावट आई है और इन्हें संकट के करीब श्रेणी में रखा गया है।पर्वतीय ज़ेब्रा मुख्य रूप से दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया में पाए जाते हैं। इनकी संख्या लगभग 35, 000 है। संरक्षण प्रयासों से इनकी स्थिति में सुधार हो रहा है, फिर भी इन्हें अतिसंवेदनशील माना जाता है। इनमें केप माउंटेन ज़ेब्रा की संख्या मात्र 1, 500 के आसपास है। वहीं ग्रेवीज़ ज़ेब्रा सबसे दुर्लभ, सबसे बड़ा और सबसे अधिक संकटग्रस्त है। इसका वजन लगभग 1, 000 पाउंड तक होता है। यह केवल केन्या और इथियोपिया के कुछ हिस्सों में पाया जाता है। 1970 के दशक में इनकी संख्या लगभग 15, 000 थी, जो अब घटकर मात्र 2, 500 से 2, 800 रह गई है। इसे आइयूसीएन ने गंभीर रूप से संकटग्रस्त सूची में शामिल किया है। यह भी उल्लेखनीय है कि इस प्रजाति का नाम 19वीं सदी के फ्रांसीसी राष्ट्रपति जूल्स ग्रेवी के नाम पर रखा गया था।अंततः, अंतरराष्ट्रीय ज़ेब्रा दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि ज़ेब्रा की घटती संख्या केवल एक प्रजाति का संकट नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के असंतुलन का संकेत है। ज़ेब्रा का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है, क्योंकि यदि आज हम सजग नहीं हुए, तो आने वाला कल हमें कभी माफ़ नहीं करेगा।

भूल से भी न करें कोई भूल, सारा समाज हमारा अपना है

- कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल

हमारा देश इसीलिए महान है क्योंकि यहां भिन्न-भिन्न विचारधाराएं हैं। लेकिन जब बात राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता की आती है तो समूचा समाज एकजुट होता है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमारी मायावती का ये संदेश देखिए- "विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, यूजीसी द्वारा देश के सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों मे जातिवादी घटनाओं को रोकने के लिए जो नये नियम लागू किये गये है, जिससे सामाजिक तनाव का वातावरण पैदा हो गया है। ऐसे वर्तमान हालात के मद्देनजर रखते हुये सुप्रीम कोर्ट का यूजीसी के नये नियम पर रोक लगाने का आज का फैसला उचित। जबकि देश में इस मामले में सामाजिक तनाव आदि का वातावरण पैदा ही नहीं होता, अगर यूजीसी नये नियम को लागू करने से पहले सभी पक्ष को विश्वास में ले लेती और जांच कमेटी आदि में भी अपर कास्ट समाज को नेचुरल जस्टिस के अन्तर्गत उचित प्रतिनिधित्व दे देती।"

वास्तव में ये भावना ही हमारे भारतीय समाज को एक करती है। मायावती वो नेता हैं जो सामाजिक न्याय के नाम पर राजनीति में आईं। एक समय तक उनके कटु, तीक्ष्ण बयान भी सुने गए। लेकिन वो अपने तरह की राजनीति है। समाज ने उसे भी स्वीकारा। वो सत्ता के शीर्ष पर भी रहीं। किंतु दूसरी ओर अनुच्छेद 370 के हटाने से लेकर, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, ऑपरेशन सिंदूर और अब 'यूजीसी विवाद'- इन सबमें में राष्ट्रीयता के स्वर को मुखरता से रखा है। क्योंकि वो जानती हैं कि देश प्रथम की भावना के साथ ही समाज चल सकता है। राजनीति अपनी जगह है। सत्ता अपनी जगह है लेकिन सबसे श्रेष्ठ होती है राष्ट्रीय एकता। मायावती जी ने उसी भाव और प्रतिबद्धता को बारंबार समाज के बीच प्रकट किया है।

यही हमारे देश की सुंदरता है। वहीं, सर्वोच्च नियामक संस्था सुप्रीम कोर्ट बारंबार ये बताता है कि संविधान निर्माताओं की दृष्टि का पालन हर किसी को करना पड़ेगा। उन लोगों से बारंबार निवेदन है जो सुप्रीम कोर्ट के यूजीसी गाइडलाइन को लेकर दिए गए निर्णय को अपने-अपने चश्मे से देख रहे हैं। यूजीसी की गाइडलाइन का 'जातीय चश्मे' से समर्थन और विरोध करने वालों से निवेदन है कि कृपया इसे अहं का विषय न बनाएं। ये न तो किसी जाति या वर्ग की जीत है और न किसी की हार। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय 'सत्यमेव जयते' के ध्येय वाक्य पर आधारित है। ये समूचा समाज हमारा अपना है। किसी के साथ कोई भेदभाव स्वीकार नहीं किया जा सकता। जो व्यक्ति, दल या नेता- 'आरक्षित और अनारक्षित वर्ग' के नाम पर विद्वेष और विभाजन फैलाए, उन्हें पहली फुर्सत में हमें और आपको ही नकारना होगा। आप और हम ये समझें कि जहां भी सामाजिक विभाजन की बात आएगी। अलगाव की बात आएगी। हम सब हर उस व्यक्ति और विचार के ख़िलाफ़ खड़े होंगे। जो हमारी एकता को तोड़ना चाहते हैं। ये हमारा प्रथम कर्तव्य है। यूजीसी की नई गाइडलाइन का विरोध इसीलिए है क्योंकि ये संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। ये गाइडलाइन सामाजिक समरसता को तोड़ने वाली और वर्ग के आधार पर विभाजन फैलाने वाली थी। सुप्रीम कोर्ट के यूजीसी की नई गाइडलाइन पर अभी लगाए गए स्टे और टिप्पणी ने ये बताया है कि कोई भी नियम, कानून, दिशा-निर्देश सामाजिक एकता, सुरक्षा और भेदभाव दूर करने के लिए लाए जाते हैं, न कि विभाजन फैलाने के लिए। अशांति और उपद्रव के फैलाने के लिए। जाति या वर्ग के नाम पर जो लोग उन्माद फैला रहे हैं। एक-दूसरे को अगर जाने-अनजाने किसी भी रुप में आहत कर रहे हैं तो कृपया ये न करें। क्योंकि अगर हम अपनी जातीय पहचान और जातीय दंभ के नाम पर समाज को बांटेंगे तो ये देश को और समाज को बांटने वाला होगा। सही का साथ, ग़लत का विरोध करना ही चाहिए।

दूषित राजनीति, स्वार्थी तत्व और भारत विरोधी गैंग तैयार बैठी है कि कब हम और आप कोई चूक करें। फिर वो देश में अशांति और वैमनस्य फैलाने में जुट जाएं। सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्णय के बाद से एक गैंग सक्रिय हो गई है। टूलकिट शुरू हो गई है कि जातीय आधार पर लोगों की भावनाओं को हवा दी जाए। किसी को बड़ा और किसी को छोटा बनाने की पुरज़ोर कोशिशें जारी हो गई हैं। लच्छेदार शब्दों, इमोशनल ढंग से संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करने का अभियान भी बड़ी चतुराई से शुरू हो चुका है। क्योंकि वो ये चाहते हैं कि विभाजन की चिंगारी से समाज को झुलसने के लिए छोड़ दिया जाए। अतएव सावधानी और सतर्कता रखिए। ये समय 'शब्दों और बौद्धिक युद्ध' का है।

देश और समाज के शत्रु घात लगाए बैठे हैं कि कब आपको उद्वेलित किया जाए। कब जातिगत आधार पर समाज को निशाना बनाया जाए। एक-दूसरे को नीचा दिखाने के लिए सोशल मीडिया में कंटेट भी ख़ूब सर्कुलेट किए जा रहे हैं। हम सबकी जो शाश्वत पहचान भारतीय होने की है। हिन्दू होने की है। उसे कमतर दिखाने और जातीय पहचान को बड़ा दिखाने का अभियान भी शातिर बदमाश शुरू कर चुके हैं। युवाओं से विशेष निवेदन है कि धैर्य के साथ काम करें। आपका समर्थन और विरोध अपनी जगह हो सकता है। आक्रोश और उत्साह अपनी जगह है। लेकिन हम कहीं भी कोई ऐसी बात न कहें, न लिखें, न किसी की ऐसी बात सुनें जो किसी भी प्रकार के विभाजन को हवा देने वाली हो। क्योंकि स्वार्थी राजनीति, विभाजन फैलाने वाले लोग हमें आपस में लड़ा देंगे। इसमें उनके स्वार्थ होंगे। उसमें वो कामयाब हो जाएंगे। लेकिन समाज में अगर भेदभाव या जातीय विभाजन की खाई बनी तो उसे पाटने में न जाने कितना समय लग जाएगा। इससे व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की हानि होनी तय है। क्या हम ये स्वीकार करेंगे? संपूर्ण हिन्दू समाज हमारा अपना समाज है। संविधान और कानून की परिभाषा में हम - ST/ SC/ OBC/ GENERAL/ EWS – आदि की कैटेगरी में गिने जा सकते हैं। हमारी अलग-अलग जातीय पहचानें हो सकती हैं। लेकिन हम ये याद रखें कि हम सबकी एक विराट पहचान हिन्दू होने की है। ये पहचान राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी हिन्दू होने की है। हमारे बीच में सहमतियां-असहमतियां हो सकती हैं। हम अपनी समस्याओं के हल अपने बीच मिल, बैठकर निकालेंगे। लेकिन कभी भी विचलित नहीं होंगे। उत्तेजना में भेदभाव या विभाजन की बातें नहीं आने देंगे। चाहे ये बात यूजीसी प्रकरण की हो या दूसरी बातों की। हम ये ध्यान रखें कि सामाजिक समस्याओं का हल कोई भी सरकार और प्रशासन नहीं ला सकते हैं। समाज की समस्याओं का हल समाज को ही खोजना पड़ेगा। हम सब भारत माता की संतानें हैं, ये कभी न भूलें। हम ये ध्यान रखें कि अगर हम संगठित हैं, सशक्त हैं तो हमारा राष्ट्र सशक्त और सर्वसमर्थ है। अब तय हमें करना है कि हम देश और समाज को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं।

संसार में कौन धन्य है?

सदा भगवान के कार्य में जो अपनी देह को कष्ट देता है। मुख से अखंड राम-नाम का उच्चारण करता है। स्वधर्मपालन में बिल्कुल तत्पर है। मर्यादापुरुषोत्तम श्रीरामचंद्रीजी का ऐसा दास इस संसार में धन्य है। (वह) जैसा कहता है। वैसा ही करता है। नाना रूपों में एक ईश्वर (रूप) को ही देवता है और जिसे सगुण-भजन में जरा भी संदेह नहीं वहीं मर्यादापुरुषोत्तम श्रीरामचंद्रीजी का सेवक इस संसार में धन्य है।

आयु का हरण

जिसने मद, मत्सर और स्वार्थ का त्याग कर दिया है। जिसके सांसारिक उपाधि नहीं है और जिसकी वाणी सदैव नम्र और मधुर होती है। ऐसा सर्वोत्तम श्रीरामचंद्रजी का सेवक इस संसार में धन्य है। जो अखिल संसार में सदा-सर्वदा सरल, प्रिय, सत्यवादी और विवेकी होता है तथा निश्चयपूर्वक कभी भी मिथ्या-भाषण नहीं करता, वह सर्वोत्तम श्रीरामचंद्रजी का सेवक इस संसार में धन्य है।

धर्मकर्म

जो दीनों पर दया करने वाला, मन का कोमल, स्निग्ध-हृदय, कृपाशील और रामजी के सेवकगणों की रक्षा करने वाला है। ऐसे दास के मन में क्रोध और चिड़चिड़ाहट कहां से आयेगी! सर्वोत्तम रामचंद्रजी का ऐसा दास संसार में धन्य है। रे मन! तू अपने अंदर दुःख को तथा शोक और चिंता को कहीं स्थान ने दे। देह-गेहादि की आसक्ति विवेक करके छोड़ दे और उसी विदेही अवस्था में मुक्ति-सुख का उपभोग कर।

रे मन! राधव के अतिरिक्त तू (दूसरी) कोई बात न कर। जनता में वृथा बोलने से सुख नहीं होता। काल घड़ी-घड़ी आयु को हरण कर रहा है। देहावसान के समय तुझे छुड़ाने वाला (बिना श्रीरामचंद्रजी के) और कौन है? अपने (बुरे) आचरण में सोच-विचार करके परिवर्तन कर। अति आदर के साथ शुध्द आचरण कर। लोगों के सामने जैसा कह, वैसा कर। (और) मन! कल्पना और संसार के दुःख को छोड़ दे।

विवेकपूर्ण आचरण

रे मन! क्रोध की उत्पति मत होने दे। सत्संग में बुध्दि का निवास हो। दुष्ट-संग छोड़ दे। (इस प्रकार) मोक्ष का अधिकारी बन।

जो सोच-विचारकर बोलता है और विवेकपूर्ण आचारण करता है। उसकी संगति से अत्यंत त्रस्त लोगों को भी शांति मिलती है। अतः हित की खोज किये बिना कुछ मत बोल और लोगों में संयमित और शुध्द आचरण कर।

आज का इतिहास

1561 - मुग़ल बादशाह अकबर के संरक्षक बैरम खां की गुजरात के पाटण में हत्या।
1606 - ब्रिटेन में तख्त के खिलाफ साजिश करने वाले गाइफॉक्स को मौत के घाट उतार दिया।
1865 - अमेरिका में 'दासता उन्मूलन' संबंधी 13वां संशोधन विधेयक स्वीकृत हुआ।
1884 - रूसी फौजों ने अफगानिस्तान के अमीर के मर्व छीन लिया।
1893 - ट्रेडमार्क 'कोका कोला' ट्रेडमार्क का अमेरिका में पहली बार पेटेंट किया गया।
1915 - 'प्रथम विश्व युद्ध' के दौरान जर्मनी ने रूस के खिलाफ जहरीली गैस का इस्तेमाल किया।
1946 - तत्कालीन सोवियत संघ के मॉडल के आधार पर यूगोस्लाविया का छह देशों में विघटन (सर्बिया, मोंटेनेग्रो, क्रोएशिया, स्लोवेनिया, बोस्निया-हर्जेगोविना, मैसेडोनिया)।
1953 - आइरिश सागर में नौका दुर्घटना में कम से कम 130 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई।
1957 - अबादान से तेहरान तक पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा हुआ।
1958 - अमेरिका ने पहले भू-उपग्रह का प्रक्षेपण किया।
1961 - अमेरिका ने जीवित प्राणियों पर अंतरिक्ष के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक चिंपांजी को अंतरिक्ष में भेजा।
1962 - अमेरिकी देशों के संगठन ने क्यूबा को न शामिल करने का फैसला किया।
1963 - मोर को भारत का राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया गया।
1966 - सोवियत संघ ने लूना कार्यक्रम के तहत मानवरहित लूना 9 स्पेशक्राफ्ट की लॉन्चिंग की।
1968 - प्रशान्त महासागर में स्थित द्वीपीय देश नौरू को आस्ट्रेलिया से स्वाधीनता मिली।
1971 - पूर्व और पश्चिमी बर्लिन के बीच 19 साल के अंतराल के बाद फिर से टेलीफोन सेवा बहाल हुई।
1971 - अमेरिका ने मानवयुक्त अपोलो यान को चंद्रमा की ओर रवाना किया।
1974 - पेन अमेरिका एयरवेज का विमान अमेरिकी सीमाओं में दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिसमें 15 लोग मारे गये।

भारत का निम्न मध्यम आय से उच्च मध्यम आय श्रेणी में अग्रसर होना

- प्रहलाद सबनानी

भारत आज अपने आर्थिक इतिहास के एक अत्यंत महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर चुका है। पिछले कुछ दशकों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में जिस गति से परिवर्तन और विस्तार देखने को मिला है, उसने न केवल देश के आर्थिक ढांचे को सुदृढ़ किया है बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। यही कारण है कि आने वाले वर्षों में भारत के निम्न मध्यम आय श्रेणी से उच्च मध्यम आय श्रेणी में परिवर्तित होने की प्रबल संभावना व्यक्त की जा रही है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत को निम्न आय श्रेणी से बाहर निकलकर निम्न मध्यम आय श्रेणी में पहुँचने में लगभग 60 वर्षों का समय लगा। वर्ष 1962 में भारत की प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय मात्र 90 अमेरिकी डॉलर थी, जो मिश्रित वार्षिक 5.3 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2007 में बढ़कर 910 अमेरिकी डॉलर हो गई। इसी वर्ष भारत को विश्व बैंक द्वारा औपचारिक रूप से निम्न मध्यम आय श्रेणी में शामिल किया गया। यह परिवर्तन भारत की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव था, किंतु इसके पश्चात विकास की गति में जो तेजी आई, वह कहीं अधिक उल्लेखनीय सिद्ध हुई।

यदि सकल घरेलू उत्पाद के आकार पर दृष्टि डालें, तो भारत को वर्ष 2007 में एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में लगभग छह दशक लगे। इसके पश्चात मात्र सात वर्षों में, अर्थात वर्ष 2014 तक भारत का सकल घरेलू उत्पाद बढ़कर दो लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया। इसके अगले सात वर्षों में, वर्ष 2021 तक यह तीन लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुँच गया। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि केवल चार वर्षों के भीतर वर्ष 2025 में भारत ने चार लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था का आंकड़ा भी पार कर लिया। विभिन्न आर्थिक आकलनों के अनुसार आगामी दो से तीन वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद पाँच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर सकता है।

प्रति व्यक्ति आय के संदर्भ में भी भारत की प्रगति इसी प्रवृत्ति को दर्शाती है। वर्ष 2009 में भारत को प्रति व्यक्ति आय के 1,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुँचने में 62 वर्षों का समय लगा था। किंतु इसके बाद केवल दस वर्षों अर्थात वर्ष 2019 में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 2,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुँच गई। वर्तमान अनुमानों के अनुसार वर्ष 2026 तक भारत में प्रति व्यक्ति आय 3,000 अमेरिकी डॉलर और वर्ष 2030 तक 4,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकती है। इसी आधार पर यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2030 तक भारत निम्न मध्यम आय श्रेणी से निकल कर उच्च मध्यम आय श्रेणी में प्रवेश कर जाएगा, जिस श्रेणी में आज चीन और इंडोनेशिया जैसे देश शामिल हैं। विश्व बैंक द्वारा विश्व के देशों को प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय के आधार पर चार श्रेणियों में विभाजित किया जाता है, जिनमें निम्न आय, निम्न मध्यम आय, उच्च मध्यम आय और उच्च आय शामिल हैं। वर्तमान परिभाषा के अनुसार किसी देश को उच्च आय श्रेणी में शामिल होने के लिए उसकी प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय 13,926 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करनी आवश्यक होती है। भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को सकल घरेलू उत्पाद में औसतन 7.5 प्रतिशत की वार्षिक संयुक्त वृद्धि दर बनाए रखनी होगी। यह वृद्धि दर अव्यावहारिक नहीं मानी जा सकती क्योंकि पिछले 23 वर्षों के दौरान भारत की औसत वार्षिक आर्थिक वृद्धि दर 8.3 प्रतिशत रही है।इन तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि भारत आगामी कुछ वर्षों में ही प्रति व्यक्ति औसत आय 4,500 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करते हुए उच्च मध्यम आय श्रेणी में शामिल हो सकता है। इसके पश्चात वर्ष 2047 तक उच्च आय श्रेणी में प्रवेश करने के लिए भारत को प्रति व्यक्ति आय को लगभग 18,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुँचाना होगा। इसके लिए आगामी 23 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय में लगभग 8.9 प्रतिशत की संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर की आवश्यकता होगी। यदि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर ऐसी आर्थिक नीतियाँ बनाती हैं, जिनका लाभ समाज के सबसे गरीब और वंचित वर्ग तक सुनिश्चित रूप से पहुँचे तो यह लक्ष्य भी कठिन नहीं प्रतीत होता।

वैश्विक स्तर पर यदि तुलना की जाए तो 139 विकासशील और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से केवल छह देशों की अर्थव्यवस्थाएँ भारत की तुलना में अधिक तेज गति से विकास कर पाई हैं। इसके बावजूद विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारत आज भी सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। छोटे देशों के सकल घरेलू उत्पाद का आकार सीमित होने के कारण उनकी प्रतिशत वृद्धि दर अधिक दिखाई देती है, किंतु जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ता है, वैसे-वैसे उच्च वृद्धि दर बनाए रखना कठिन होता जाता है। इस संदर्भ में भारत की आर्थिक उपलब्धियाँ और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं।

विश्व बैंक के आँकड़े यह भी दर्शाते हैं कि वर्ष 1990 में विश्व में निम्न आय श्रेणी के देशों की संख्या 51 थी, जो वर्ष 2024 तक घटकर 26 रह गई है। इसी प्रकार निम्न मध्यम आय श्रेणी के देशों की संख्या भी घटकर 50 रह गई है, जबकि उच्च मध्यम आय श्रेणी के देशों की संख्या बढ़कर 54 और उच्च आय श्रेणी के देशों की संख्या बढ़कर 87 हो गई है। यह परिवर्तन वैश्विक आर्थिक संरचना में हो रहे सकारात्मक बदलाव को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

चीन और गयाना जैसे देशों के उदाहरण इस प्रक्रिया को और अधिक स्पष्ट करते हैं। चीन वर्ष 1990 में मात्र 330 अमेरिकी डॉलर की प्रति व्यक्ति आय के साथ निम्न आय श्रेणी में था, किंतु वर्ष 2010 तक उसकी प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 4,410 अमेरिकी डॉलर हो गई और वह उच्च मध्यम आय श्रेणी में शामिल हो गया। इसी प्रकार गयाना जैसे छोटे देश ने भी कुछ ही दशकों में निम्न आय श्रेणी से निकलकर उच्च आय श्रेणी में स्थान बना लिया। इन उदाहरणों से यह सिद्ध होता है कि यदि उपयुक्त आर्थिक नीतियाँ, संसाधनों का सही उपयोग और राजनीतिक इच्छाशक्ति मौजूद हो तो तीव्र आर्थिक परिवर्तन संभव है।

आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अगले दो से तीन वर्षों में इसके तीसरे स्थान पर पहुँचने की पूरी संभावना है। अनुमान है कि वर्ष 2027-28 तक भारत की अर्थव्यवस्था पाँच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और वर्ष 2035-36 तक दस लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकती है।

इस संपूर्ण विकास यात्रा में समाज की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा समाज को दिए गए पंच परिवर्तन कार्यक्रम, जिसमें नागरिक कर्तव्यों का पालन, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण तथा कुटुम्ब प्रबोधन जैसे विषय शामिल हैं, यदि व्यापक स्तर पर अपनाए जाएँ तो भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई दिशा मिल सकती है। जब समाज, सरकार और संस्थाएँ एकजुट होकर कार्य करती हैं, तभी किसी राष्ट्र का समग्र और संतुलित विकास संभव हो पाता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित अन्य नेताओं ने दी महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप राष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य नेताओं ने शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि पर राजघाट जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

उनके अलावा अन्य नेताओं ने भी बापू को नमन किया। प्रधानमंत्री के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल भी मौजूद रहे। सभी ने गांधी जी की समाधि पर पुष्प अर्पित किए और उनके विचारों को याद किया इससे पहले श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता के आदर्श भारत के विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने के संकल्प के केंद्र में हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर मेरा शत-शत नमन। पूज्य बापू ने हमेशा स्वदेशी पर जोर दिया, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के हमारे संकल्प का एक मूलभूत स्तंभ है। महात्मा गांधी का व्यक्तित्व और कर्म भारतीय पीढ़ियों को कर्तव्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।' केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर कोटिशः नमन। महात्मा गांधी ने भाषा, क्षेत्र और जाति में बंटे देश को एक कर आजादी के आंदोलन को व्यापकता दी। स्वदेशी, स्वाधीनता व स्वच्छता को एक सूत्र में बांधकर गौरवशाली भारत की कल्पना करने वाले महात्मा गांधी के विचार हमें प्रेरित करते रहेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में गांधीवादी मूल्यों से जुड़े एक जाने-माने भक्ति पद 'वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे, पर-दुख्खे उपकार करे तोये मन अभिमान ना आणे रे' के माध्यम से महात्मा गांधी की शिक्षाओं को याद किया, जिसमें सहानुभूति और निस्वार्थ सेवा पर जोर दिया गया है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि नफरत की ताकतों ने देश को बापू से अलग कर दिया, उनका मुकाबला उनके आदर्शों से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'जिस नफरत ने हमें बापू से जुदा किया, उसका तोड़ भी बापू की ही राह है। सत्य का उजाला, अहिंसा की ताक़त, और प्रेम की करुणा। बलिदान दिवस पर राष्ट्रपिता को नमन।'

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा 'महात्मा गांधी एक व्यक्ति नहीं, एक सोच हैं – वह सोच जिसे कभी एक साम्राज्य ने, कभी एक नफ़रत की विचारधारा ने और कभी अहंकारी सत्ता ने मिटाने की असफल कोशिश की। मगर राष्ट्रपिता ने हमें आज़ादी के साथ यह मूलमंत्र दिया कि सत्ता की ताक़त से बड़ी सत्य की शक्ति होती है – और हिंसा व भय से बड़े अहिंसा और साहस। यह सोच मिट नहीं सकती, क्योंकि गांधी भारत की आत्मा में अमर हैं। बापू को उनके शहीदी दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि।' केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन। सत्य, अहिंसा और सद्भाव के उनके आदर्श आज भी भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को मानवता का मार्ग दिखाते हैं।

उनका जीवन हमें सेवा, समर्पण और नैतिक साहस की प्रेरणा देता रहेगा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि अहिंसा परमो धर्मः के पथ प्रदर्शक, सत्य और करुणा के अग्रदूत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पूज्य बापू ने स्वच्छता को स्वराज की आधारशिला माना- आइए, स्वच्छ भारत के संकल्प के साथ उनके सपनों के भारत के निर्माण का संकल्प लें।

भारत डेटा प्रणालियों को मजबूत करके गलत सूचना से मुकाबला करने के लिए प्रतिबद्ध : सरकार

नई दिल्ली। भारत सरकार ने संसद को बताया कि भारत अपनी डेटा प्रणालियों को मजबूत करके और स्वतंत्र शोध को बढ़ावा देकर 'गलत सूचना और पक्षपाती विमर्श' का मुकाबला करने के लिए प्रतिबद्ध है, तथा आवश्यक होने पर देश ने 'पूर्वाग्रही और प्रेरित विमर्श' की आलोचना में कोई संकोच नहीं किया है।

राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने बृहस्पतिवार को यह भी कहा कि वैश्विक सूचकांक और रैंकिंग बाहरी संगठनों द्वारा उनकी अपनी कार्यप्रणालियों और डेटा स्त्रोतों के आधार पर तैयार की जाती हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि ये अंतरराष्ट्रीय हितधारकों के लिए कई संदर्भ बिंदुओं में से एक हो सकते हैं, लेकिन कूटनीतिक संवाद और विदेशी निवेश का प्रवाह कई कारकों से निर्देशित होता है, जिनमें व्यापक आर्थिक बुनियादी तत्व, बाजार का आकार, विकास की संभावनाएं, नीतिगत पहल और संस्थागत ढांचा शामिल हैं। विदेश मंत्रालय से यह पूछा गया था कि वैश्विक सूचकांकों और रैंकिंग से प्रभावित अंतरराष्ट्रीय धारणाएं भारत के कूटनीतिक संबंधों और विदेशी निवेश पर किस प्रकार प्रभाव डालती हैं तथा 'देशों के निष्पक्ष और साक्ष्य-आधारित मूल्यांकन' को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक डेटा संगठनों के साथ किस तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। मार्गेरिटा ने कहा कि सरकार बहुपक्षीय संस्थानों और संगठनों के साथ 'स्थापित परामर्श और तकनीकी तंत्रों' के माध्यम से संवाद करती है, ताकि भारत के डेटा, सुधारों और संस्थागत व्यवस्थाओं की सही समझ सुनिश्चित की जा सके और रैंकिंग 'वस्तुनिष्ठ, अद्यतन और संदर्भ-संगत डेटा' पर आधारित हों।

उन्होंने कहा कि भारत अपनी डेटा प्रणालियों को मजबूत करने, स्वतंत्र शोध को प्रोत्साहित करने और अंतरराष्ट्रीय सूचकांक तैयार करने वाले संगठनों के साथ रचनात्मक संवाद के माध्यम से गलत सूचना और पक्षपाती विमर्श का मुकाबला करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि शासन और विकास प्रगति का निष्पक्ष, साक्ष्य-आधारित आकलन सुनिश्चित हो सके। साथ ही, आवश्यकता पड़ने पर सरकार ने पूर्वाग्रही और प्रेरित विमर्श की आलोचना करने में भी संकोच नहीं किया है।' एक अलग प्रश्न में विदेश मंत्रालय से 'भारतीय पासपोर्ट की वैश्विक स्थिति में सुधार' के लिए हाल के वर्षों में किए गए कूटनीतिक प्रयासों के बारे में पूछा गया था।

इस पर विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लिखित उत्तर में कहा कि सरकार लगातार ऐसे प्रयास कर रही है, जिससे अधिक से अधिक देश भारतीय नागरिकों को वीज़ा-मुक्त यात्रा, 'आगमन पर वीज़ा' और ई-वीज़ा की सुविधा प्रदान करें, ताकि दुनिया भर में यात्रा आसान हो सके।

मनरेगा की बहाली तक जारी रहेगा आंदोलनः कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की पुनर्बहाली की मांग को लेकर शुक्रवार को यहां अकबर रोड स्थित पार्टी मुख्यालय से गांधी स्मृति तक विरोध मार्च निकाला। पार्टी नेताओं ने ऐलान किया कि जब तक सरकार मनरेगा को बहाल नहीं करती, तब तक उनका यह आंदोलन जारी रहेगा।

कांग्रेस के ₹मनरेगा बचाओ संग्राम₹ आंदोलन के तहत आयोजित इस प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पार्टी महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार ने उस मनरेगा को खत्म किया है जो पंचायतों को सशक्त करने और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के जरिए सीधे पैसा पहुंचाने का जरिया था।उन्होंने कहा कि मनरेगा ऐतिहासिक और क्रांतिकारी अधिनियम था जो सितंबर 2005 को सर्वसम्मति से पारित हुआ था। इसको बनाने में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी और राहुल गांधी का महत्वपूर्ण योगदान था। मनरेगा कानून संवैधानिक हक था, लोगों के पास रोजगार की कानूनी गारंटी थी। इस कानून से पंचायतें मजबूत हुईं। हर परिवार को पहली बार डीबीटी के माध्यम से पैसा पहुंचाया गया लेकिन ये कानून रद्द कर दिया गया, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नहीं चाहते हैं कि महात्मा गांजी से जुड़ा हुआ ये कानून ज्यादा समय तक चले। वो नहीं चाहते हैं कि लोगों को उनका हक मिले।

दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि देश के करोड़ों गरीबों के रोजगार और सम्मान की गारंटी है। कांग्रेस शासन में गरीबों को अपने गांव में रहकर इज्जत की रोटी कमाने का हक मिला था, जिससे ग्रामीण भारत का विकास हुआ लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इस व्यवस्था को चोट पहुंचाई। यह लड़ाई हर उस किसान और मजदूर की है जिसका हक छीना जा रहा है।

कांग्रेस के मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि जो सरकार देश के अन्नदाता और श्रमशक्ति का अपमान करती है वो सत्ता में ज्यादा दिनों तक नहीं रह सकती। कांग्रेस ने एलान किया कि जब तक सरकार मनरेगा को बहाल नहीं करती, आंदोलन जारी रहेगा।

पायलटों के लिए साप्ताहिक आराम और छुट्टियों के नियमों में अनिश्चितकालीन छूट क्यों दी गईः हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने डीजीसीए से पायलटों के लिए साप्ताहिक आराम और छुट्टियों से संबंधित नए मानदंडों के कार्यान्वयन के संबंध में विमानन कंपनियों को दी गई 'अनिश्चितकालीन' छूट पर शुक्रवार को सवाल उठाया। इस मुद्दे पर दायर जनहित याचिका पर मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने डीजीसीए को नोटिस जारी किया।

पीठ ने विमानन क्षेत्र के नियामक से उस नए उड़ान-ड्यूटी नियम को तुरंत वापस लेने के अपने निर्णय के पीछे के 'तर्क' को स्पष्ट करने के लिए कहा, जिसमें कहा गया था कि 'किसी भी छुट्टी को साप्ताहिक अवकाश से प्रतिस्थापित नहीं किया जाएगा। पीठ ने नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) और इंडिगो दोनों को दो सप्ताह के भीतर जनहित याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा। पांच दिसंबर, 2025 को डीजीसीए ने उड़ान ड्यूटी समय सीमा (एफडीटीएल) में छूट लागू की ताकि

इंडिगो अधिक पायलटों को ड्यूटी पर तैनात कर सके और व्यवधानों को कम करके परिचालन को सामान्य कर सके। इंडिगो ने पिछले साल दिसंबर के पहले सप्ताह में देश भर में सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दीं क्योंकि एयरलाइन पायलटों के लिए नए उड़ान-ड्यूटी मानदंडों को लागू करने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार नहीं थी। डीजीसीए की वकील ने शुक्रवार को कहा कि नियामक एक नवंबर, 2025 को एफडीटीएल के लागू होने के बाद से स्थिति पर नजर रख रहा है और ऑडिट के साथ-साथ पायलटों द्वारा दो प्रकार की छुट्टियों को एक साथ मिलाने के संबंध में एयरलाइंस के अभ्यावेदनों के मद्देनजर इसे वापस लेने का निर्णय लिया गया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पांच दिसंबर के फैसले के बाद भी पायलटों के लिए साप्ताहिक आराम अनिवार्य बना हुआ है और यह नागर विमानन नियमों द्वारा नियंत्रित होता है, हालांकि छुट्टियां पायलट और एयरलाइन के बीच अनुबंध का मामला हैं। डीजीसीए की वकील ने यह भी कहा कि पांच दिसंबर को जारी एक अन्य पत्र के माध्यम से इंडिगो को 10 फरवरी तक रात्रि ड्यूटी के मानदंडों से विशेष छूट दी गई थी। हालांकि, अदालत ने पूछा कि जब इंडिगो को रात्रि ड्यूटी के मानदंडों में अस्थायी छूट दी गई थी, तो साप्ताहिक आराम और छुट्टियों के गैर-प्रतिस्थापन के नियम को बिना किसी समय सीमा के क्यों वापस ले लिया गया।

अदालत ने कहा कि शिकायत यह प्रतीत होती है कि छुट्टी और साप्ताहिक अवकाश को आपस में नहीं मिलाया जा सकता, जिसे आपने एक विशेष एयरलाइन में व्यवधान के कारण वापस ले लिया है। यदि आप एक ही दिन दो पत्र जारी कर रहे हैं – एक 10 फरवरी तक के लिए है, लेकिन पहला अनिश्चित काल के लिए है। पीठ ने कहा कि यदि पहले पत्र का आपका जवाब व्यवधान के संबंध में था और दूसरा पत्र भी व्यवधान के कारण ही था, लेकिन आपने (रात की ड्यूटी के लिए) समय सीमा 10 फरवरी तक सीमित कर दी है, तो दूसरे पत्र के लिए ऐसा क्यों नहीं किया? अदालत ने डीजीसीए के वकील से पूछा, ₹इसे वापस लेने का क्या औचित्य है? और यह सभी विमानन कंपनियों पर लागू होता है? पिछली सुनवाई में अदालत ने कहा था कि पायलटों की थकान को रोकने के लिए डीजीसीए नियमों को लागू न करने के कारण सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर उत्पन्न चिंताओं को 'नज़रअंदाज़' नहीं किया जा सकता है। याचिकाकर्ताओं, सबरी रॉय लेंका, अमन मोंगा और किरण सिंह ने आरोप लगाया है कि थकान संबंधी नियमों में छूट डीजीसीए द्वारा केवल इंडिगो को अवैध रूप से दी गई थी और यह प्रथम दृष्टया दुर्भावनापूर्ण थी।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) के तहत डीजीसीए को थकान संबंधी नियमों और अन्य प्रावधानों को समान रूप से लागू करने की जरूरत है, लेकिन वह लगातार इस तरह की व्यवस्था को लागू करने में विफल रहा है। मामले में अगली सुनवाई अप्रैल में होगी।

रेल मंत्रालय के सहयोग से उर्वरक आपूर्ति को मिली नई गति

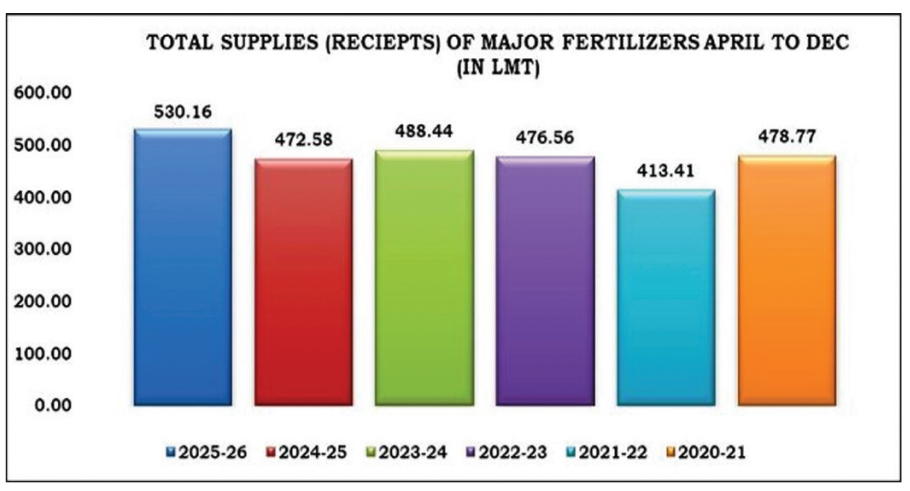

नई दिल्ली। किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल रहा है। इसी दिशा में खरीफ और रबी 2025 के दौरान रेल मंत्रालय और रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के उर्वरक विभाग के बीच बेहतर तालमेल का सकारात्मक असर जमीनी स्तर पर देखने को मिला है।

उर्वरक रेकों की तेज और सुचारु आवाजाही के कारण राज्यों तक समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की गई, जिससे खेती के महत्वपूर्ण दौर में किसानों को किसी प्रकार की कमी का सामना नहीं करना पड़ा। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के उर्वरक विभाग ने शुक्रवार को जारी की गई जानकारी में कहा कि रेल मंत्रालय के सहयोग से देश के हर कोने तक पर्याप्त मात्रा में खाद पहुंचाने में सफलता मिली है। विभाग का मानना है कि इस अभूतपूर्व समन्वय से खाद्य सुरक्षा के प्रति भारत सरकार का संकल्प और मजबूत हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2025 में प्रतिदिन औसतन 72 उर्वरक रेक लोड किए गए, जो अगस्त में बढ़कर 78 और सितंबर में 80 रेक प्रतिदिन तक पहुंच गए। यह पिछले पांच खरीफ सत्रों में अब तक का सर्वोच्च स्तर रहा। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान अप्रैल से

दिसंबर 2025 तक देश के सभी राज्यों में प्रमुख उर्वरकों की पर्याप्त और संतोषजनक उपलब्धता सुनिश्चित की गई। यूरिया के लिए 312.40 लाख मीट्रिक टन की अनुमानित आवश्यकता के मुकाबले 350.45 लाख मीट्रिक टन की उपलब्धता कराई गई।

इसी तरह प्रमुख पीएंडके उर्वरकों जैसे डीएपी, एमओपी और एनपीकेएस की 252.81 लाख मीट्रिक टन की आवश्यकता के मुकाबले 287.69 लाख मीट्रिक टन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। उर्वरकों की ढुलाई में भी उल्लेखनीय तेजी दर्ज की गई। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच कुल 530.16 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों की आपूर्ति की गई, जो पहली बार 500 लाख मीट्रिक टन के आंकड़े को पार कर गई। यह पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 की समान अवधि (472.58 लाख मीट्रिक टन) की तुलना में 12.2 प्रतिशत अधिक है, जबकि वर्ष 2023-24 के पूर्व रिकॉर्ड से 8.5 प्रतिशत ज्यादा है।

इस अवधि में यूरिया के लिए कुल 10,841 रेक का संचालन किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 8 प्रतिशत अधिक है। वहीं पीएंडके उर्वरकों के लिए 8,806 रेक चलाए गए, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 की तुलना में करीब 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हैं। जुलाई से जनवरी (13 जनवरी तक) की माहवार तुलना से यह स्पष्ट होता है कि पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में उर्वरक रेकों की आवाजाही में निरंतर और स्थायी वृद्धि दर्ज की गई है। रेल मंत्रालय, बंदरगाहों, राज्य सरकारों और उर्वरक कंपनियों के बीच बेहतर समन्वय, समय पर योजना और लगातार निगरानी के चलते यह सुधार संभव हो सका।

उपराष्ट्रपति आज करेंगे सूरजुकंड मेले का उद्घाटन

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन हरियाणा के फरीदाबाद जिले में सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव-2026 का शनिवार, 31 जनवरी को उद्घाटन करेंगे। 15 फरवरी तक चलने वाले इस आयोजन में अफ्रीका एवं एशिया महाद्वीप, बिम्सटेक और सार्क सहित 50 से अधिक देशों के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगे। हरियाणा के पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने दिल्ली के हरियाणा भवन में पत्रकार वार्ता में बताया कि करीब 700 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी, शिल्पकार और कलाकार अपनी विशिष्ट लोक कलाओं, पारंपरिक शिल्प और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों को रूबरू कराएंगे।

2047 से पहले समान नागरिक संहिता और जनसंख्या नियंत्रण लागू हों : शांता कुमार

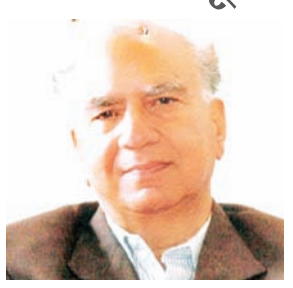

शिमला। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे शांता कुमार ने कहा कि वर्ष 2047 में भारत जब आज़ादी के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब तक यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को पूरे देश में लागू कर दें और जनसंख्या नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाएं, तो स्वतंत्रता की शताब्दी और अधिक गौरवशाली बन जाएगी।

शांता कुमार ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यह आज हम सभी के लिए परम सौभाग्य का विषय है कि भारत और भारतीय जनता पार्टी के स्वर्ण युग को अपनी आंखों से देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के लंबे संघर्ष और सैकड़ों राम भक्तों के बलिदान के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है। इसके साथ ही अनुच्छेद 370 हटाया गया है।

उन्होंने कहा कि पंचायत से लेकर संसद तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रभाव हर चुनाव के साथ लगातार बढ़ता जा रहा है। शांता कुमार ने कहा कि हरियाणा और बिहार के बाद महाराष्ट्र और मुंबई में मिली शानदार जीत ने पश्चिम बंगाल में भी भाजपा की जीत की मजबूत नींव रख दी है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का बंगाल अब राष्ट्रीय शक्तियों के साथ आगे बढ़ेगा।

उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी का कोई विकल्प नहीं है। शांता कुमार के अनुसार विश्व के 130 देशों के प्रधानमंत्रियों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सबसे अधिक लोकप्रिय नेता हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व के पांच सबसे समृद्ध देशों में शामिल हो चुका है और सबसे तेज़ी से बढ़ती हुई तीसरी आर्थिक शक्ति बन गया है।

जीरामजी योजना से गांवों का होगा विकासः बलूनी

पौड़ी गढ़वाल। भाजपा ने कोट ब्लाक के ग्राम सभा पंचूर के पलायन हो चुके पातली गांव में भाजपा विकसित भारत जीराम जी कार्यक्रम का आयोजन किया। मुख्य अतिथि सांसद गढ़वाल ने ग्रामीणों से अपना वोट गांव में ही रखने व एक शुभ कार्य अपने पैतृक गांव में करने की अपील की।

पातली गांव में आयोजित गांव में मुख्य अतिथि सांसद गढ़वाल अनिल बलूनी ने कहा कि जीरामजी योजना का मकसद गांव का विकास करना है। इस योजना से ग्रामीणों को रोजगार से जोड़ा जाएगा। कहा कि गांव से पलायन रोकना और गांव का विकास करना ही सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने पलायन कर चुके लोगों से अपना वोट गांव में ही रखने की अपील की। कहा कि प्रवासी ग्रामीण अपना एक शुभ कार्य अपने पैतृक गांव में जरूर करे। बलूनी ने कहा कि ग्रामीणों से बातचीत कर गांव का विकास किया जाएगा। कहा कि यहां से रेलवे स्टेशन नजदीक होने से जल्द ही रोजगार के अवसर पैदा होंगे। जिससे यहां के युवाओं के साथ ही ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा। कहा कि गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र के करीब 150 गांवों से पूर्णरूप से पलायन हो चुका है। जिसमें पातली गांव भी शामिल है। जिलापंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला ने कहा कि विकास करना सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। गांवों में रोजगार, शिक्षा व स्वास्थ्य की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए काम किया जाएगा। विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि सांसद गढ़वाल ने ईगास पर्व को एक अलग पहचान दिलाने का काम किया है। जिलाध्यक्ष कमलकिशोर रावत ने कहा कि जीराम जी योजना गांव के विकास के लिए बनाई गई योजना है। पूर्व विधायक मुकेश कोली ने कहा कि इस योजना से गांव में निश्चित रूप से विकास होगा।

संक्षिप्त खबरें

बहराइच में तेंदुए के हमले में चार वर्षीय बच्ची की मौत

बहराइच। जिले के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के एक गांव में तेंदुए के हमले से चार वर्षीय एक बच्ची की मौत हो गयी। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ग्रामीणों ने बताया कि कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के निशानगाड़ा रेंज के ग्राम पंचायत रमपुरवा के मुखिया फार्म गांव निवासी मनोज की बच्ची अनुष्का (चार वर्ष) बृहस्पतिवार शाम को घर के बाहर आंगन में खेल रही थी, तभी गन्ने के खेत से निकलकर आया तेंदुआ उसे मुंह में दबोचकर भाग निकला। परिजन व ग्रामीण शोर मचाते हुए पीछे दौड़े तो तेंदुआ बच्ची को घर से करीब 50 मीटर दूरी पर छोड़कर नहर की झाड़ियों में छिप गया। ग्रामीणों ने बताया कि परिवार के लोग घायल बच्ची को गोद में लेकर अस्पताल जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। एक परिजन ने बताया कि बच्ची के गले और नाक पर जख्म दिख रहे थे। निशानगाड़ा वन रेंज के क्षेत्राधिकारी सुरेंद्र श्रीवास्तव ने संवाददाताओं को बताया कि तेंदुए के हमले से बच्ची की मौत हुई है। देर रात वन विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। उन्होंने बताया कि विभाग ने मृतक के परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है। क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है। चार टीमें निरंतर निगरानी कर रही हैं। ग्रामीणों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। उधर, पुलिस ने बालिका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराकर स्कूटी सवार दो युवकों की मौत

सहारनपुर। जिले बिहारीगढ़ थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से स्कूटी सवार दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बिहारीगढ़ के थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अक्षय शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बृहस्पतिवार रात गढ़ी मलूक सहारनपुर निवासी अभिमन्यु (21) और दीपक देहरादून से स्कूटी से सहारनपुर लौट रहे थे। दोनों जब थाना बिहारीगढ़ के गणेशपुर के पास वन क्षेत्र से आगे निकल रहे तभी सड़क के बीचोबीच खड़ी एक खराब टैक्ट्रर ट्रॉली से इनकी स्कूटी की टक्कर हो गई। उन्होंने बताया कि अंधेरा होने के कारण स्कूटी सवार युवकों को टैक्ट्रर ट्रॉली नजर नही आई और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। एसएचओ ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र फतेहपुर पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शर्मा ने बताया कि पुलिस ने टैक्ट्रर ट्रॉली को जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

इंडिया पावर कॉरपोरेशन भूटान में 70 मेगावाट की सौर परियोजना विकसित करेगी

कोलकाता। इंडिया पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईपीसीएल) ने शुक्रवार को कहा कि भूटान के पारो जिले में 70 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना विकसित करने के लिए पड़ोसी देश की ग्रीन एनर्जी पावर प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह परियोजना उसकी अगले पांच वर्षों में भूटान में 1.5 गीगावाट सौर क्षमता जोड़ने की योजना का हिस्सा है। इसमें कहा गया कि भूटान की बिजली मांग अगले दो वर्षों में दोगुनी से अधिक होने की उम्मीद है, जिसका मुख्य कारण गेलेफू माइंडफुल सिटी जैसी परियोजनाएं, फेरोसिलिकॉन सहित ऊर्जा-गहन उद्योगों का विस्तार और डिजिटल बुनियादी ढांचे तथा क्रिप्टो-माइनिंग गतिविधियों से बढ़ती मांग है।

व्यक्ति की हत्या के आरोप में पत्नी और भांजा गिरफ्तार

शाहजहांपुर। पुलिस ने शाहजहांपुर जिले में भांजे के साथ कथित प्रेम संबंधों के कारण अपने पति की हत्या करने की आरोपी महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान मृतक की पत्नी पूजा (25) तथा उसके भांजे आदेश (22) के रूप में की गई है। उसने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की विधिक प्रक्रिया जारी है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने शुक्रवार को बताया कि थाना पुवाया अंतर्गत भटपुरा गांव में रहने वाले बलराम (30) का शव उसके घर में बुधवार को चारपाई पर मिला था। द्विवेदी ने बताया कि बलराम की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या की गई थी। उन्होंने बताया कि मृतक के भाई ने इस मामले में थाना पुवाया में शिकायत दर्ज कराई। द्विवेदी ने शिकायत के हवाले के बताया कि पूजा के आदेश से प्रेम संबंध हैं और मृतक के भाई ने इस हत्या में उन दोनों का हाथ होने का संदेह जताया है। उन्होंने बताया कि पुवाया पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया और उसने आदेश के साथ प्रेम संबंध की बात पूछताछ के दौरान स्वीकार की। द्विवेदी के अनुसार, पूजा ने स्वीकार किया कि उसने और आदेश ने हंसिया से बलराम का गला काटकर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

मृत रेलवे कर्मी की पत्नी बनकर धोखाधड़ी से पेंशन लेने के मामले में प्राथमिकी दर्ज

बलिया। जिले की रसड़ा कोतवाली पुलिस ने कथित तौर पर मृत रेलवे कर्मचारी की पत्नी बनकर धोखाधड़ी से पेंशन लेने के मामले में आरोपी और अज्ञात कर्मचारियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के भेलाई गांव निवासी धर्मेंद्र यादव की तहरीर पर पार्वती देवी, दिवंगत मालधनी के परिजनों और रसड़ा विकास खंड के अज्ञात कर्मचारियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने दर्ज प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया कि रेलवे में कर्मचारी मालधनी को सेवानिवृत्त होने के बाद पेंशन मिलने लगी और उनकी 28 अगस्त 2007 को मृत्यु होने बाद उनकी पत्नी प्रभावती देवी पेंशन लेती रहीं। शिकायत के अनुसार प्रभावती देवी की 21 मार्च 2014 को मृत्यु हो गई जिसके बाद उनके परिजनों ने पार्वती देवी नामक महिला को प्रभावती देवी बता कर सेंट्रल बैंक की रसड़ा शाखा से फर्जी तरीके से पेंशन ली। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) योगेंद्र बहादुर सिंह ने शुक्रवार को बताया कि इस मामले में मिली तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

प्रदेश में मुख्यमंत्री ने मंत्रियों के वित्तीय अधिकार बढ़ाने पर दिया जोर

मंत्री 50 और वित्त मंत्री 150 करोड़ तक की परियोजनाएं कर सकेंगे मंजूर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में परियोजनाओं की वित्तीय स्वीकृति प्रक्रिया को तेज, सरल और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया है। इसके साथ उन्होंने परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए मंत्रियों के वित्तीय अधिकारबढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने मंत्री स्तर पर 50 करोड़, इससे ऊपर वित्त मंत्री 150 करोड़ रुपये तक की परियोजना स्वीकृत करने के अधिकार देने की बात कही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर वित्त विभाग की विस्तृत समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने राज्य की राजकोषीय स्थिति, बजट प्रबंधन, पूंजीगत व्यय, निर्माण कार्यों की व्यवस्था, एकमुश्त प्रावधान, डिजिटल वित्तीय सुधार, कोषागार प्रक्रियाएं, पेंशन व्यवस्था और विभागीय नवाचारों पर विस्तृत चर्चा की।

समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि विभागीय मंत्री स्तर से मिलने वाली स्वीकृति की सीमा, जो अभी 10 करोड़ रुपये तक है, उसे बढ़ाकर 50 करोड़ रुपये किया जाए। इसके बाद 50 से 150 करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं की मंजूरी वित्त मंत्री स्तर से और 150 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की स्वीकृति मुख्यमंत्री स्तर से दी जाए, जिससे परियोजनाओं को समय पर वित्तीय मंजूरी मिले और काम तेजी से आगे बढ़े। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे अपनी वार्षिक कार्ययोजना 15 अप्रैल तक हर हाल में स्वीकृत करा लें। समय सीमा का पालन न करने वाले विभागों की सूची मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजी जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी

परियोजना की लागत में 15% से ज्यादा बढ़ोतरी होने पर विभाग कारण सहित पुनः अनुमोदन प्राप्त करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को सुदृढ़, पारदर्शी और रिजल्ट ओरिएंटेड वित्तीय प्रबंधन का आदर्श राज्य बनाना है। इसके लिए सभी विभाग समयबद्धता, गुणवत्ता, पारदर्शिता और डिजिटल प्रक्रियाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दे।

उन्होंने निर्देश दिए कि केंद्र सरकार की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में राज्य गारंटी पॉलिसी लागू की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि अल्प-वेतनभोगी कर्मियों, जैसे आशा बहनों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय हर माह तय तारीख को उनके बैंक खातों में पहुंच जाए। जिन योजनाओं में केंद्रांश मिलता है, वहां राज्य अपने मद से मानदेय समय पर जारी करे, ताकि किसी कर्मी को देरी न हो।

यह व्यवस्था यथाशीघ्र लागू की जाए। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश का एक लाख 10 हजार 555 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय देश में सबसे अधिक रहा। राज्य ने जितना शुद्ध लोक ऋण लिया, उससे भी ज्यादा राशि पूंजीगत कार्यों पर खर्च की, जो वित्तीय अनुशासन का मजबूत संकेत है। कुल व्यय का 9.39 फीसदी निवेश पर खर्च कर उत्तर प्रदेश देश

150 करोड़ के ऊपर के प्रोजेक्ट की वित्तीय स्वीकृति को मुख्यमंत्री की मंजूरी जरूरी

में पहले स्थान पर रहा। राजकोषीय घाटा, राजस्व घाटा और ऋण/जीएसडीपी अनुपात जैसे सभी संकेतक एफआरबीएम मानकों के अनुरूप रहे। वर्ष 2024-25 में राज्य की कुल देयताएं घटकर जीएसडीपी के 27 फीसदी पर आ गईं। नीति आयोग के अनुसार उत्तर प्रदेश का कंपोजिट फिस्कल हेल्थ इंडेक्स 2014 में 37 से बढ़कर 2023 में 45.9 हो गया है और राज्य फ्रंट रनर श्रेणी में पहले स्थान पर है।

मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि आरबीआई की रिपोर्ट में भी राज्य का अपना कर राजस्व राष्ट्रीय हिस्सेदारी में 11.6% के साथ देश में दूसरे स्थान पर बताया गया है। विकास व्यय (जीएसडीपी अनुपात में) राष्ट्रीय औसत से लगातार अधिक रहा है और स्वास्थ्य व्यय में भी उत्तर प्रदेश प्रमुख राज्यों में शीर्ष पर है। वित्त विभाग ने पिछले तीन वर्षों में बजट, कोषागार और डिजिटल वित्तीय प्रशासन में ऑनलाइन बजट मॉड्यूल, वेंडर मैनेजमेंट सिस्टम, साइबर ट्रेजरी, पूरी तरह ऑनलाइन बिल प्रेषण, जीपीएफ अनियमितताओं की रोकथाम, वेतन बिलों का एजी को ऑनलाइन भेजना, डिजिलॉकर पर जीपीएफ स्लिप उपलब्ध कराना जैसे कई सुधार किए है। कोषागार सुधारों के तहत साइबर ट्रेजरी के माध्यम से खातों का पूर्णतः पेपरलेस प्रेषण अप्रैल 2026 तक पूरा हो जाएगा। फर्म्स, सोसाइटी एवं चिट्स विभाग के नवाचारों के बारे में बताया गया कि विभाग ने अपनी सभी प्रमुख सेवाओं को डिजिटल किया है। पुराने अभिलेख डिजिटल हो रहे हैं। 'सादर' पोर्टल के माध्यम से जनता को अभिलेखों तक आसान पहुंच मिली है। वाद प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है और नीति आयोग के 'दर्पण' पोर्टल के साथ एकीकृत होने वाला उत्तर प्रदेश पहला राज्य बन गया है।

शासकीय भवनों के अनुरक्षण व्यवस्था पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुबंधों में एकरूपता का अभाव है। सड़क निर्माण की तर्ज पर सभी नए भवनों में पांच वर्ष का भुगतान-आधारित अनुरक्षण अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। उन्होंने पुराने भवनों के अनुरक्षण के लिए कॉर्पस फंड बनाने की आवश्यकता बताई। निर्माण गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि भवन, सड़क, सेतु, सीवर लाइन और जलापूर्ति पाइपलाइन जैसी परियोजनाओं का थर्ड पार्टी क्वालिटी ऑडिट आईआईटी, एनआईटी और राज्य/सरकारी तकनीकी संस्थानों से कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने वित्तीय अनुशासन, पूंजीगत व्यय और राजस्व संवर्धन में देश में नया मानक स्थापित किया है। अब लक्ष्य यह है कि खर्च की गुणवत्ता और डिजिटल पारदर्शिता को और मजबूत करते हुए प्रदेश को भारत का सबसे सक्षम और विश्वसनीय वित्तीय प्रशासन वाला राज्य बनाया जाए।

पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया ने बरेली के दक्षेंद्र पाराशर को दी बड़ी जिम्मेदारी

बरेली। पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने बरेली निवासी दक्षेंद्र पाराशर उर्फ दक्ष शर्मा पाराशर को डेवलपमेंट कमेटी का चेयरमैन तथा एडवाइजरी कमेटी का सदस्य नामित किया है। यह 30 जनवरी 2026 से प्रभावी होगा और वर्तमान गवर्निंग बोर्ड के कार्यकाल के अंतर्गत दो वर्षों तक प्रभावी रहेगा।

भारत सरकार से मान्यता प्राप्त पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया संस्था अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इंटरनेशनल पैरालंपिक कमेटी (जर्मनी), आईडब्ल्यूएएस (यूके) और एशियन पैरालंपिक कमेटी (यूएई) से संबद्ध है। संस्था के सचिव जनरल जयवंत जी. हम्मनावर ने पत्र में कहा गया है कि पैरा-स्पोर्ट्स के विकास में दक्षेंद्र पाराशर का योगदान उल्लेखनीय रहा है। इसी को देखते हुए पाराशर को डेवलपमेंट कमेटी का चेयरमैन तथा एडवाइजरी कमेटी का सदस्य नामित किया गया है। उन्होंने बताया कि डेवलपमेंट कमेटी के चेयरमैन के रूप में दक्षेंद्र पाराशर देशभर में पैरा-स्पोर्ट्स के विस्तार, योजनाओं के क्रियान्वयन और दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करेंगे। इसके साथ ही एडवाइजरी कमेटी के सदस्य के तौर पर वे नीतिगत निर्णयों में मार्गदर्शन देंगे। पीसीआई के पत्र के संबंध में दक्षेंद्र पाराशर ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया ने जो विश्वास उन पर जताया है, वह उनके लिए सम्मान की बात है। वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ पैरा-खेलों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और दिव्यांग खिलाड़ियों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंच दिलाने के लिए काम करेंगे।

एक करोड़ 40 हजार रुपये कीमत की स्मैक जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

सहारनपुर। जिले की गंगोह पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से कुल 502 ग्राम स्मैक बरामद की। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि बरामद स्मैक की कीमत एक करोड़ 40 हजार रुपये आंकी गई है।

गंगोह के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अशोक सिसोदिया ने बताया कि बृहस्पतिवार रात 11 बजे एक मुखबिर की सूचना पर गंगोह पुलिस टीम ने घाटमपुर गांव के रहने वाले शातिर तस्कर साहिब को बाइपास रोड विद्यार्थी तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। सीओ ने बताया कि अभियुक्त के कब्जे से 502 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। उन्होंने बताया कि थाना गंगोह में स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के सम्बध में जांच की जा रही है। सीओ ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्यवाही कर उसे अदालत में पेश किया जाएगा।

कानपुर में 1.5 किलो चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

कानपुर। अनवरगंज थाना पुलिस ने शुक्रवार को एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक किलो 530 ग्राम चरस बरामद हुई है। पकड़े गए तस्कर पर पहले से ही हत्या के प्रयास, एनडीपीएस एक्ट और गुंडा एक्ट समेत करीब 16 आपराधिक मुकदमे शहर के विभिन्न थानों में दर्ज हैं। अनवरगंज थाना प्रभारी अशोक कुमार दुबे ने बताया कि सूचना मिली थी कि कालपी रोड क्षेत्र में एक युवक भारी मात्रा में चरस लेकर सप्लाई के लिए जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को धर दबोचा। तलाशी के दौरान उसके पास से चरस बरामद हुई। पूछताछ में आरोपित की पहचान बाबूपुरवा के मुंशीपूर्वा निवासी मोहम्मद आरिफ उर्फ मोहम्मद सिंघानिया के रूप में हुई है। आरोपित पर पूर्व में भी गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं उस पर बाबूपुरवा थाने से गुंडा एक्ट की कार्रवाई हो चुकी है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपित से जुड़े नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।

उत्तर प्रदेश की झांकी को मिला पॉपुलर च्वॉइस कैटेगरी में द्वितीय पुरस्कार

लखनऊ/नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में विकास के ट्रैक पर तेजी से दौड़ रहे उत्तर प्रदेश को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में यूपी की झांकी को लोकप्रियता श्रेणी (पॉपुलर च्वॉइस कैटेगरी) में दूसरा पुरस्कार मिला है। समृद्धि का मंत्र-आत्मनिर्भर भारत थीम पर आधारित उत्तर प्रदेश ने इस बार झांकी में बुंदेलखण्ड की संस्कृति के साथ-साथ आधुनिक उत्तर प्रदेश की झलक भी दिखाई थी। शुक्रवार को नई दिल्ली के राष्ट्रीय रंगशाला शिविर में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के अपर निदेशक अरविंद कुमार मिश्र को भारत सरकार के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ जी ने प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इस परेड में 17 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के साथ ही 13 अलग-

अलग मंत्रालयों व विभागों की कुल 30 झांकियां शामिल थी। इसमें पॉपुलर च्वॉइस कैटिगरी के आधार पर उत्तर प्रदेश ने दूसरा स्थान प्राप्त किया है। बुंदेलखण्ड की ऐतिहासिक विरासत और आधुनिक उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा पर सजाई गई उत्तर प्रदेश की इस झांकी ने सभी को मंत्रमुग्ध कर लिया था। झांकी में कालिंजर दुर्ग की शैल-कला और एकमुख लिंग, बुंदेलखंड की प्राचीन अध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को दिखाया गया था। इसमें बुंदेलखंड की मृद्भांड कला, मनका शिल्प और पारम्परिक हस्तशिल्प, एक जनपद एक उत्पाद, ब्रह्मोस मिसाइल, एक्सप्रेस नेटवर्क और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की झलक थी। उत्तर प्रदेश को गणतंत्र दिवस परेड में आकर्षक झांकी के लिए अनवरत सातवें वर्ष सम्मानित किया गया है। इस सम्मान के साथ ही प्रदेश ने देश व अन्य राज्यों के सामने अपनी अलग एक पहचान बनाई है। प्रदेश की आकर्षक झांकी के लिए वर्ष 2020 में द्वितीय, 2021 व 2022 में प्रथम पुरस्कार मिला था। 2023 झांकी को ज्युरी कैटेगरी में तृतीय व पॉपुलर च्वॉइस कैटिगरी में द्वितीय पुरस्कार यूपी के खाते में आया था। 2024 में पॉपुलर च्वॉइस कैटिगरी में द्वितीय पुरस्कार, 2025 में ज्युरी कैटेगरी में प्रथम तथा पॉपुलर च्वॉइस कैटिगरी में द्वितीय पुरस्कार मिला था। वहीं 2026 में भी पॉपुलर च्वॉइस कैटिगरी में प्रदेश की झांकी दूसरे स्थान पर रही।

शराब पीने के बाद एक युवक की मौत, तीन अन्य की हालत गंभीर

बिजनौर। जिले में शराब पीने के बाद चार युवकों की तबीयत बिगड़ गई, जिसमें एक युवक की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि तीन अन्य का उपचार जारी है।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने शुक्रवार को बताया कि बृहस्पतिवार रात करीब 10 बजे थाना नजीबाबाद क्षेत्र में रेलवे स्टेशन मार्ग स्थित एक दुकान को बंद कर उसकी ऊपरी मंजिल पर नौशाद (35), कामरान, अफसार और चंद्रप्रकाश शराब पी रहे थे। उन्होंने बताया कि इसी दौरान चारों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने नौशाद को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, अन्य तीनों का उपचार जारी है। पुलिस को मौके से व्हिस्की की बोतल, बीयर और मांसाहारी भोजन मिला है। फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर मौजूद है। उन्होंने बताया कि जांच में जो तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अवर अभियंता 20 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

बरेली। भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन) बरेली मंडल की टीम ने जनपद बदायूं में तैनात विद्युत विभाग के एक अवर अभियंता को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन बरेली के प्रभारी निरीक्षक प्रवीण सान्याल के नेतृत्व में टीम ने शुक्रवार दोपहर 12:10 बजे बदायूं के सिविल लाइन क्षेत्र स्थित ग्राम रसूलपुर बिलहरी में चल रहे बिजली बिल बकाया जमा कैंप से आरोपित को पकड़ा हैं। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान प्रदीप बाबू के रूप में हुई हैं, जो वर्तमान में विद्युत वितरण खंड प्रथम, ढाक वाली जारत बिजलीघर बदायूं में अवर अभियंता के पद पर तैनात है। शिकायतकर्ता ग्राम करोलिया निवासी अमरजीत सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी माता के नाम नलकूप के विद्युत कनेक्शन का इस्टीमेट बनाने के बदले अवर अभियंता 20 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है। शिकायत का सत्यापन होने के बाद ट्रैप टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपित को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी निरीक्षक प्रवीण सान्याल ने बताया कि आरोपित के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि "भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।" संगठन ने आम लोगों से रिश्वत की शिकायत बेझिझक करने की अपील की है।

महिला बंदी ने दिया बेटी को जन्म, फूलों से सजी एंबुलेंस से जेल लाई गई नवजात और बजे ढोल -नगाड़े

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद मुख्यालय स्थित उपकारागार के जेलर पी के मिश्रा ने मानवता की ऐसी मिशाल पेश की जो कि सभी के लिए नजीर बन गई। उपकारागार में हत्या के मामले में बंद महिला मां बनी तो जेलर ने जेल एम्बुलेंस को फूलों और गुब्बारों से सजा ढोल नगाड़ों के साथ जोरदार तरीके से नन्ही परी का स्वागत किया, जिसे देख जेल में बंद नवजात के पिता और अन्य बंदियों की आँखें खुशी से भर आईं। सुरक्षा कर्मियों ने भी लक्ष्मी स्वरूपा नवजात का न्यौछावर कर अपना प्यार जताया है।

शुक्रवार को जनपद मुख्यालय स्थित उपकारागार के जेलर पीके मिश्रा ने बताया कि हमीरपुर जिला निवासी सीमा और उसका पति लोकेश हत्या के मामले में बंद हैं। मई 2025 में गर्भवती सीमा को उपकारागार में निरुद्ध किया गया था। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी की रात में महिला को अचानक प्रसव पीड़ा होने पर जेल प्रशासन द्वारा जिला महिला अस्पताल में

भर्ती कराया, जहाँ 27 जनवरी को उसने एक बेटी को जन्म दिया। जिला महिला अस्पताल से छुट्टी मिलने पर जेलर के निर्देश पर जच्चा बच्चा को लेने पहुँची जेल की एम्बुलेंस को गुब्बारों और फूलों से शानदार तरीके से सजाया गया। साथ ही अस्पताल से जेल तक बैंड बाजे साथ लक्ष्मी स्वरूपा नवजात का भव्य स्वागत किया गया ।जेलर के अनुसार नवजात के लिए मच्छरदानी, मुलायम कंबल आदि जरूरत के सामानों की व्यवस्था की गई है। जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। छठी कार्यक्रम में नवजात का नामकरण होगा। जेलर पीके मिश्रा ने निर्देश पर उपकारागार को भी फूलों और गुब्बारों से सजाया गया है। साथ ही इस खुशी के मौके पर सभी कैदियों में मिष्ठान का वितरण कराया गया। नवजात बेटी का अनोखा स्वागत देख पिता लोकेश समेत अन्य बंदियों की आँखें खुशी से नम हो गईं। तो वहीं जेलर द्वारा महिला बंदी के बेटी के जन्म पर किए गए इस मानवीय कार्य की सराहना हो रही है।

पुल के नीचे मिला महिला का शव, हत्या की आशंका

गोरखपुर। पीपीगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह पुलिस ने एक पुल के नीचे निर्वस्त्र अवस्था में एक महिला का शव बरामद किया। पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है। अधिकारी के अनुसार,महिला की पहचान नहीं हो सकी है। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि महिला की हत्या कहीं और की गई तथा बाद में शव को बैरघट्टा पुल के नीचे फेंक दिया गया। अधिकारी ने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि महिला का सिर ईंट से कुचला गया था और शरीर के विभिन्न हिस्सों पर चोट के कई निशान पाए गए हैं। सुबह सैर पर निकले लोगों ने शव देखा, जिसके बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा साक्ष्य जुटाए। श्वान दस्ते को भी मौके पर लगाया गया, जिसने घटनास्थल से बैरघट्टा गांव की ओर करीब 200 मीटर तक तलाश की, लेकिन फिर वापस लौट आया। पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र प्रसाद ने बताया कि शव को कब्जे में ले लिया गया है और महिला की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करण नैयर ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल के पास घसीटने के निशान मिलने से यह संदेह और पुख्ता हुआ है कि शव को किसी अन्य स्थान से लाया गया था। मामले की जांच जारी है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन फाइनल: सबालेंका और रयबाकिना के बीच होगा मुकाबला

मेलबर्न। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका शनिवार को यहां जब ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में एलिना रयबाकिना का सामना करने के लिए कोर्ट पर उतरेगी तो वह 2023 की अपनी सफलता के बजाय पिछले साल विभिन्न प्रतियोगिताओं के फाइनल में मिली हार के सबक से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी। यह उन तीन अन्य ग्रैंड स्लैम फाइनल जैसा भी नहीं होगा जो सबालेंका ने जीते हैं, जिनमें यूएस ओपन में हाल ही में जीता गया फाइनल भी शामिल है।

सबालेंका 2025 में पांच टूर्नामेंट के फाइनल में हार गई थी और वह उनसे मिली सीख को अपना मजबूत पक्ष बनाना चाहती है। सबालेंका ने कहा, ''मैं जानती हूं कि उन सभी फाइनल मैच में क्या गलती हुई थी जिनमें मैं हारी। पिछले साल मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला, खुद के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिला और इस सत्र में ऐसा दोबारा नहीं होगा।'' सबालेंका को पिछले साल फाइनल में मिली हार की सूची में नवंबर में डब्ल्यूटीए फाइनल्स का निर्णायक मुकाबला भी शामिल है, जब वह रयबाकिना से तीन सेटों में हार गई थीं, जिन्होंने पुरस्कार राशि के रूप में रिकॉर्ड 5.2 मिलियन डॉलर जीते थे। पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में मैडिसन कीज़ ने सबालेंका को हराकर मेलबर्न पार्क में उनकी 20 मैचों की जीत का सिलसिला तोड़ दिया था। फ्रेंच ओपन के फाइनल में उन्हें कोको गॉफ से तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें स्टटगार्ट और इंडियन वेल्स के फाइनल में भी हार का सामना करना पड़ा था। सबालेंका अब एक नई और मजबूत मानसिकता के साथ किसी भी तरह की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। उन्होंने सेमीफाइनल में एलिना स्वितोलिना के खिलाफ जीत में यह कर दिखाया, जब चौथे गेम में चेयर अंपायर ने उन्हें बाधा डालने के लिए फाउल दिया। उन्होंने कहा, ''अभी मेरी मानसिकता ऐसी है कि मैं हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हूं। फाइनल में जो भी होगा, मैं वहां जाकर अपनी पूरे दमखम से मुकाबला करने के लिए तैयार हूं। जब मेरी यह मानसिकता होती है, तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेलती हूं। इस फाइनल के लिए मेरा यही दृष्टिकोण है।'' सबालेंका और रयबाकिना ने फाइनल तक पहुंचने के लिए अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है।

2008 के बाद से किसी ग्रैंड स्लैम में ऐसा नहीं हुआ है। मॉस्को में जन्मीं लेकिन कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने वाली रयबाकिना सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला के खिलाफ मिली जीत की लय को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच यहां 2023 में भी फाइनल खेला गया था। तब रयबाकिना ने पहला सेट जीता, लेकिन फिर 4-6, 6-3, 6-4 से हार गईं। इसके बाद यह उनका पहला बड़ा फाइनल होगा। रयबाकिना ने कहा, ''हां, (2023 का फाइनल) हमने यहीं खेला था, मुकाबला बहुत करीबी था। वह अब पुरानी बात है। उसके बाद बहुत सारे मैच खेले गए। उम्मीद है कि पिछले मैच से और यहां खेले गए आखिरी फाइनल से मुझे जो अनुभव मिला है, उसे मैं शनिवार के मैच में इस्तेमाल करूंगी। उम्मीद है कि इस बार जीत मेरी होगी।''

'अनुशासनात्मक' कारणों से मनप्रीत समेत 3 खिलाड़ियों को किया गया बाहर

नई दिल्ली। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह समेत तीन खिलाड़ियों को प्रो लीग के सत्र से पहले संभावित खिलाड़ियों की सूची से बाहर के फैसला पर भले ही कइयों को हैरानी हुई हो लेकिन सूत्रों के अनुसार यह फैसला पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ही 'अनुशासनात्मक' कारणों से ले लिया गया था।

टीम के करीबी सूत्रों ने हालांकि बताया कि मनप्रीत सिंह, दिलप्रीत सिंह और गोलकीपर कृशन बहादुर पाठक को बाहर करने का फैसला पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ही ले लिया गया था। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका में सात से दस दिसंबर 2025 के बीच दो टेस्ट और एक नुमाइशी मैच खेले थे।

सूत्रों ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अनुशासनहीनता का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया था जब एक खिलाड़ी टीम बैठक से गायब था और बाद में पता चला कि उसे मनप्रीत, दिलप्रीत और पाठक ने कथित तौर पर प्रतिबंधित पदार्थ वाली च्युइंग गम खिलाई थी जिससे वह बेहोश हो गया और पूरी रात उसे संभालना पड़ा। अगली सुबह वह टीम बैठक में भी नहीं जा सका। उन्होंने आगे कहा कि खिलाड़ियों ने अपने साथी खिलाड़ी को प्रतिबंधित पदार्थ खिलाने के लिये बाद में माफी मांगी लेकिन टीम बैठक में तब ही उन्हें आगामी शिविर से बाहर रखने का फैसला सुना दिया गया था।

चोटरानी और अनाहत स्क्वाश ऑन फायर ओपन के क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली। भारत के वीर चोटरानी ने पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में फ्रांस के विश्व में 19वें नंबर के खिलाड़ी बैपटिस्ट मासोटी को हराकर वाशिंगटन में चल रहे स्क्वाश ऑन फायर ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई लेकिन उनके हमवतन वेलवन सेंथिलकुमार मैक्सिको के दूसरी वरीयता प्राप्त लियोनेल कार्डेनास से हार गए। विश्व में 49वें नंबर के खिलाड़ी चोटरानी ने चौथी वरीयता प्राप्त फ्रांसीसी खिलाड़ी को 11-6, 7-11, 8-11, 11-1, 11-9 से हराया। इस पीएसए कांस्य स्तर की प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला इंग्लैंड के छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डेक्लान जेम्स से होगा। महिला वर्ग में सातवीं वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह ने दूसरे दौर में दक्षिण अफ्रीका की हेले वार्ड को 11-5, 11-8, 12-14, 11-5 से हराया। वह क्वार्टर फाइनल में मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त सना इब्राहिम से भिड़ेंगी।

डीकॉक के 100वें टी20 मैच में शतक से दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज से श्रृंखला जीती

सेंचुरियन। क्विंटन डीकॉक ने अपने 100वें टी20 मैच में शतक जड़ा जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल की। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर चार विकेट पर 221 रन बनाए।

उसकी तरफ से शिमरोन हेटमायर (77) और ब्रेंडन किंग (49) ने दूसरे विकेट के लिए 126 रन की साझेदारी की जबकि शेरफेन रदरफोर्ड ने 24 गेंद पर नाबाद 57 रन की तूफानी पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका ने हालांकि डीकॉक की 49 गेंदों में 115 रन की मदद से 17.3 ओवर तीन विकेट पर 225 रन बनाकर 15 गेंद शेष रहते ही जीत हासिल कर ली। डीकॉक ने डेवाल्ड ब्रेविस से उधार लिए बल्ले से खेलते हुए अपनी पारी में छह चौके और 10 छक्के लगाए। यह उनके करियर का सर्वोच्च स्कोर है। रयान रिकेल्टन ने भी अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया। उन्होंने 36 गेंदों में 77 रन की पारी खेली जिसमें नौ चौके और तीन छक्के शामिल हैं। कप्तान एडन मार्क्रम (15) के जल्दी आउट हो जाने के बाद डीकॉक और रिकेल्टन ने दूसरे विकेट के लिए 162 रन की साझेदारी की।

श्रृंखला का तीसरा मैच शनिवार को खेला जाएगा, जिसके बाद दोनों टीमें अगले सप्ताह भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए रवाना होंगी।

पांचवें टी20 मैच में सैमसन के फॉर्म और अक्षर की फिटनेस पर होगी नजर

तिरुवनंतपुरम। खिताब का प्रबल दावेदार भारत टी20 विश्व कप से पहले शनिवार को यहां जब न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलने के लिए उतरेगा तो उसे उम्मीद रहेगी कि संजू सैमसन अपने घरेलू दर्शकों के सामने फॉर्म में वापसी करने और अक्षर पटेल फिटनेस हासिल करने में सफल रहेंगे। विशाखापत्तनम में खेले गए चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत ने प्रयोग करते हुए पांच मुख्य गेंदबाजों को ही खिलाया तथा ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे से गेंदबाजी नहीं करवाई।

भारत यह मैच हार गया था लेकिन इससे श्रृंखला के परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ा क्योंकि भारतीय टीम पहले ही इसे अपने नाम कर चुकी थी। जैसा कि श्रृंखला के पिछले मैचों में देखा गया, भारत अपने गेंदबाजी विभाग में एक बार फिर फेरबदल कर सकता है। भारतीय टीम प्रबंधन पिछले दो मैचों में आराम देने के बाद मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को मौका दे सकता है। बल्लेबाजी विभाग में शायद ज्यादा बदलाव न हों, लेकिन टीम प्रबंधन सैमसन पर नजर रखेगा। अपनी निर्भीक बल्लेबाजी के लिए मशहूर सैमसन इस श्रृंखला में रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। उनकी फॉर्म के बजाय उनकी तकनीकी कमजोरी चिंता का विषय है जिससे उनका आत्मविश्वास भी डगमगा गया है। वह सात फरवरी से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले बड़ी पारी खेलने के लिए बेताब होंगे। सैमसन अब अपनी गृह नगर में खेलेंगे और यहां के अपने समर्थकों के सामने शायद वह अपनी खोई हुई लय को फिर से प्राप्त कर लें। टीम के आगमन के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा साझा किए गए एक वीडियो से यह स्पष्ट हो गया कि वह देश के इस हिस्से में सुपरस्टार हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव को हवाई अड्डे के निकास द्वार पर अपने 'चेट्टा' (बड़े भाई) के लिए मजाक में रास्ता साफ करते हुए देखा गया, जहां सैकड़ों प्रशंसक सैमसन और उनके साथियों की एक झलक पाने के लिए कतार में खड़े थे। ईशान किशन के रूप में भारतीय टीम के पास सैमसन का मजबूत विकल्प मौजूद है। उन्होंने इस श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन इस विकेटकीपर बल्लेबाज को अज्ञात चोट के कारण पिछले मैच से बाहर बैठना पड़ा था। ऑलराउंडर अक्षर भी नागपुर में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उंगली में चोट लगने के बाद से नहीं खेले हैं। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने विशाखापत्तनम में खेले गए चौथे मैच से पहले नेट पर गेंदबाजी की थी। भारत टी20 विश्व कप में अपना पहला मैच सात फरवरी को मुंबई में खेलेगा और वह उससे पहले जीत हासिल करना चाहेगा। इस तरह से देखा जाए तो भारत इस मैच को औपचारिकता नहीं मानेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत से शैली, ताकत और गहराई से भरपूर टीम का आत्मविश्वास और भी बढ़ेगा।

न्यूजीलैंड की टीम बिल्कुल यह नहीं चाहेगी कि ऐसा हो। उसकी टीम पहले तीन मैचों में वे भारत के आक्रामक रवैये के सामने बेबस नजर आई, लेकिन विशाखापत्तनम में उन्होंने भारत के प्रमुख बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में कामयाबी हासिल की। अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव को आउट करने के बाद, न्यूजीलैंड के गेंदबाज शिवम दुबे की तूफानी बल्लेबाजी के बावजूद बाकी बल्लेबाजों को रोकने में सफल रहे। अब उन्हें पता चल गया है कि यह भारतीय टीम अजेय नहीं है और 3-2 का अंतर उन्हें आगामी बड़े मुकाबलों से पहले मानसिक रूप से मजबूत करेगा। ग्रीनफील्ड स्टेडियम में ढेरों रन बनते रहे हैं। भारत ने यहां खेले गए अपने चार टी20 मैचों में से तीन जीते हैं, जिसमें 2017 में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीता गया एक मैच भी शामिल है।

लेकिन जैसा कि कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा, कीवी टीम अब जानती है कि भारत को हराने के लिए क्या करना जरूरी है। ऐसे में यहां एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट के टीम में शामिल होने से न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को काफी मजबूती मिली है। न्यूजीलैंड की टीम हालांकि गेंदबाजी में सुधार की उम्मीद कर रही होगी। उसके प्रमुख तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन टीम में शामिल है लेकिन वह अंतिम एकादश में जगह बना पाते हैं या नहीं, यह उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा।

टीम इस प्रकार हैं

- **भारतः** सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उप-कप्तान), रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन (विकेटकीपर), रवि बिश्नोई।
- **न्यूजीलैंडः** मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रैसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), जैकब डफी, जैक फाक्स, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, ईश सोढ़ी, लॉकी फर्ग्यूसन।

मैच शाम सात बजे शुरू होगा

संक्षिप्त खबरें

NTPC ग्रीन एनर्जी का शुद्ध लाभ घटकर 17.32 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) ने बृहस्पतिवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ लगभग 74 प्रतिशत घटकर 17.32 करोड़ रुपये रह गया। खर्चों में भारी कमी के कारण यह गिरावट हुई। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उसने 65.61 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। हालांकि, एनजीईएल की कुल आय एक साल पहले की समान अवधि के 581.46 करोड़ रुपये से बढ़कर 684.22 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी का खर्च वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के 481.22 करोड़ रुपये से बढ़कर समीक्षाधीन अवधि में 615.60 करोड़ रुपये हो गया।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 2,000 करोड़ की आवास परियोजना के लिए पुणे में जमीन खरीदी

नई दिल्ली। रियल्टी फर्म गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि उसने पुणे में लगभग 2,000 करोड़ रुपये के अनुमानित राजस्व वाली आवास परियोजना के निर्माण के लिए 8.5 एकड़ भूमि खरीदी है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसने पुणे के महालुंगे में सीधे खरीद के माध्यम से 8.5 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने कहा कि प्रस्तावित विकास में मुख्य रूप से समूह आवास परियोजना शामिल होगी और इसमें लगभग 21 लाख वर्ग फुट की विकास क्षमता होने की उम्मीद है। इसकी अनुमानित राजस्व क्षमता 2,000 करोड़ रुपये होगी। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक और सीईओ गौरव पांडे ने कहा कि पुणे भारत के सबसे जीवंत शहरी केंद्रों में एक है, जो मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास और तेजी से बढ़ते वाणिज्यिक केंद्रों से प्रेरित है।

इंडिया पावर कॉरपोरेशन भूटान में 70 मेगावाट की सौर परियोजना विकसित करेगी

कोलकाता। इंडिया पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईपीसीएल) ने शुक्रवार को कहा कि भूटान के पारो जिले में 70 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना विकसित करने के लिए पड़ोसी देश की ग्रीन एनर्जी पावर प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह परियोजना उसकी अगले पांच वर्षों में भूटान में 1.5 गीगावाट सौर क्षमता जोड़ने की योजना का हिस्सा है। इसमें कहा गया कि भूटान की बिजली मांग अगले दो वर्षों में दोगुनी से अधिक होने की उम्मीद है, जिसका मुख्य कारण गेलेफू माइंडफुल सिटी जैसी परियोजनाएं, फेरोसिलिकॉन सहित ऊर्जा-गहन उद्योगों का विस्तार और डिजिटल बुनियादी ढांचे तथा क्रिप्टो-माइनिंग गतिविधियों से बढ़ती मांग है।

लगातार नौवीं बार बजट पेश कर नया कीर्तिमान स्थापित करेंगी निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी एक फरवरी को लगातार नौवां बजट पेश कर देश के संसदीय इतिहास में एक नया रिकॉर्ड दर्ज करेंगी। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में पेश होने वाले इस बजट से सुधारवादी कदमों के जरिये विकास को गति मिलने की काफी उम्मीदें हैं। इस उपलब्धि के साथ ही सीतारमण पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के 10 बजट के कुल रिकॉर्ड के बेहद करीब पहुंच जाएंगी। देसाई ने 1959-1964 के बीच छह और 1967-1969 के बीच चार बजट पेश किए थे। हालांकि, लगातार बजट पेश करने के मामले में सीतारमण सबसे आगे रहेंगी।

उन्होंने पूर्व वित्त मंत्रियों पी चिदंबरम (9 बजट) और प्रणब मुखर्जी (8 बजट) को भी पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने अलग-अलग कार्यकालों में ये आंकड़े छुए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री के रूप में सीतारमण अब तक फरवरी, 2024 के अंतरिम बजट सहित लगातार आठ बजट पेश कर चुकी हैं। स्वतंत्र भारत के बजट इतिहास से जुड़े कुछ प्रमुख तथ्य इस प्रकार हैं: पहला बजट: देश का पहला आम बजट 26 नवंबर, 1947 को पहले वित्त मंत्री आर के षणमुखम चेट्टी ने प्रस्तुत किया था। सर्वाधिक बजट: मोरारजी देसाई ने जवाहर लाल नेहरू और लाल बहादुर शास्त्री सरकारों के दौरान कुल 10 बार बजट पेश कर शीर्ष स्थान बनाया। अन्य प्रमुख आंकड़े: पी चिदंबरम ने नौ बार और प्रणब मुखर्जी ने आठ बार बजट पेश किए। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 1991-1995 के दौरान लगातार पांच बजट पेश किए थे। भाषण की अवधि: सबसे लंबे बजट भाषण का रिकॉर्ड सीतारमण के नाम है, जिन्होंने एक फरवरी, 2020 को दो घंटे 40 मिनट तक भाषण दिया था।

वहीं, 1977 का हिरूभाई मुल्जीभाई पटेल का अंतरिम बजट भाषण (800 शब्द) सबसे छोटा रहा है। समय और तारीख में बदलाव: 1999 से पहले बजट शाम पांच बजे पेश होता था, जिसे यशवंत सिन्हा ने बदलकर सुबह 11 बजे किया। इसी तरह, 2017 से बजट पेश करने की तारीख 28 फरवरी के बजाय एक फरवरी कर दी गई, ताकि एक अप्रैल से नया वित्त वर्ष सुचारू रूप से शुरू हो सके।

रुपये ने छुआ 92.02 प्रति डॉलर का सबसे निचला स्तर, बाद में मामूली बढ़त के साथ हुआ बंद

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 92.02 के रिकॉर्ड निचले स्तर को छूने के बाद कारोबार के अंत में मामूली बढ़त लिए 91.97 पर बंद हुआ। डॉलर की मजबूती और अस्थिर भू-राजनीतिक संकेतों के बीच रुपये में यह मामूली सुधार आया है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों की सतत निकासी और घरेलू शेयरों में नकारात्मक रुझान ने निवेशकों की कारोबारी धारणा को प्रभावित रखा।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में, रुपया 91.89 प्रति डॉलर पर खुला और इसमें आगे मजबूती आई। दिन के कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 91.82 पर पहुंच गया। बाद में रुपया, अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 92.02 के अब तक के सबसे निचले स्तर को छूने के बाद सत्र के अंत में 91.97 पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से महज दो पैसे की बढ़त है। रुपया बृहस्पतिवार को, डॉलर के मुकाबले अपने सबसे निचले स्तर 91.99 पर सपाट बंद हुआ था। रुपये ने 23 जनवरी को डॉलर के मुकाबले 92 के अपने पिछले सबसे निचले स्तर को दर्ज किया था।

मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक, अनुज चौधरी ने कहा, ''कच्चे तेल और जिंस की कीमतों में रात भर की गिरावट के कारण भारतीय रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर से उबर गया। हालांकि, अमेरिकी डॉलर इंडेक्स में सुधार और विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी ने तेज बढ़त को सीमित कर दिया। डॉलर इंडेक्स इसलिए बढ़ा क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह अमेरिकी फेडरल रिजर्व का नेतृत्व करने के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा करेंगे।'' इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को मापने वाला, डॉलर इंडेक्स 0.45 प्रतिशत बढ़कर 96.57 पर कारोबार कर रहा था।

मारुति सुजुकी ने तकनीकी समाधान के लिए पांच शुरुआती स्टार्टअप को अपने साथ जोड़ा

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि उसने विभिन्न व्यावसायिक कार्यों के लिए नए तकनीकी समाधान विकसित करने के लिए पांच शुरुआती चरण के स्टार्टअप को अपने साथ जोड़ा है। यह पहल कंपनी की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत परिचालन दक्षता बढ़ाने, उच्च गुणवत्ता वाले विनिर्माण को मजबूत करने, गुणवत्ता में सुधार करने और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए कई व्यावसायिक क्षेत्रों में तकनीक-आधारित समाधान लागू किए जाएंगे।

ये पांच स्टार्टअप - ऑगुरएआई, आत्राल, जेन मोबिलिटी, इंडस विजन और प्रॉक्सी हैं। इन्हें मारुति सुजुकी इनक्यूबेशन प्रोग्राम (एमएसआईपी) के चौथे समूह से चुना गया है। यह कार्यक्रम आईआईएम बैंगलोर के उद्यमिता और स्टार्टअप सहायता केंद्र, नादथुर एस राघवन सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरियल लर्निंग के साथ साझेदारी में चलाया जाता है। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ हिसाशी ताकेउची ने एक बयान में कहा, ''उपभोक्ताओं की बदलती पसंद, बढ़ते पैमाने, विस्तारित उत्पाद पोर्टफोलियो, लगभग 100 निर्यात बाजारों में अलग-अलग नियमों और स्थिरता पर बढ़ते जोर के कारण परिचालन परिदृश्य जटिल होता जा रहा है।

ऐसे में तकनीक एक रणनीतिक सहारा बन गई है।'' उन्होंने आगे कहा कि उत्कृष्टता बनाए रखने, जटिलताओं से निपटने और दीर्घकालिक व तेज वृद्धि के लिए सभी व्यावसायिक कार्यों में नए जमाने की तकनीकों को शामिल करना महत्वपूर्ण है।

सैमसंग एआई आधारित एसी पेश करेगी 30% तक बिजली बचत का दावा

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सैमसंग इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि वह 'विंडफ्री' एयर कंडीशनर (एसी) की एक नयी श्रृंखला पेश करेगी, जो कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी से लैस होगी। कंपनी का दावा है कि इससे उपभोक्ताओं को 30 प्रतिशत तक बिजली बचाने में मदद मिलेगी। सैमसंग अपने पूरे रूम एयर-कंडीशनर (आरएसी) पोर्टफोलियो में एआई प्रौद्योगिकी को शामिल करने वाली देश की पहली कंपनी बन जाएगी। वर्ष 2026 के इस नए संग्रह में 'विंडफ्री' एसी के 23 मॉडल शामिल होंगे। ये मॉडल सैमसंग की 'बीस्पोक एआई' प्रौद्योगिकी से लैस होंगे, जिसका उपयोग कंपनी वर्तमान में अपने प्रीमियम रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन और ड्रायर जैसे उपकरणों में कर रही है।

शेयर बाजार में तीन दिन से जारी तेजी थमी, सेंसेक्स 297 अंक टूटा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में पिछले तीन कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर शुक्रवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स में 297 अंक की गिरावट आई, जबकि एनएसई निफ्टी 98 अंक टूट गया। धातु, आईटी शेयरों में बिकवाली के साथ एक फरवरी को पेश होने वाले बजट से पहले निवेशकों के सतर्क रुख से बाजार नुकसान में रहा।

कारोबारियों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और रुपये में कमजोरी के रुख से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 296.59 अंक यानी 0.36 प्रतिशत टूटकर 82,269.78 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 625.34 अंक तक नीचे आ गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 98.25 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,320.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील में सबसे ज्यादा 4.57 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस और कोटक महिंद्रा बैंक में भी गिरावट रही। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 393.97 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 2,638.76 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। जियोजीत इनवेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''आम बजट से पहले भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रहा। आईटी और धातु शेयरों में कमजोर रुख के कारण मानक सूचकांकों में गिरावट आई।

दुनिया के विभिन्न देशों में वृद्धि को लेकर चिंता और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि के कारण आईटी क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गई, जबकि डॉलर के मजबूत होने के कारण सोने और चांदी की कीमतों में भी गिरावट आई।''

'डोंट बी शाय' में दिखेगा आलिया भट्ट का रोमांटिक अंदाज़

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट एक बार फिर सुर्खियों में हैं और इस बार चर्चा की वजह उनका नया ओटीटी प्रोजेक्ट है। वेब सीरीज 'पोचर' को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली सराहना के बाद आलिया भट्ट ने अमेजन प्राइम वीडियो के साथ दोबारा हाथ मिलाया है। अभिनेत्री जल्द ही एक नई रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'डोंट बी शाय' में नजर आएंगी, जिसकी घोषणा उन्होंने खुद सोशल मीडिया के जरिए की है। यह फिल्म आलिया भट्ट और उनकी बहन शाहीन भट्ट के प्रोडक्शन हाउस इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई जा रही है। अमेजन प्राइम वीडियो के सहयोग से तैयार हो रही यह ओरिजिनल फिल्म एक हल्की-फुल्की, मजेदार और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी पेश करेगी। लंबे समय बाद आलिया को इस तरह के फन और रोमांटिक अवतार में देखने के लिए उनके प्रशंसकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। 'डोंट बी शाय' न केवल आलिया भट्ट की ओटीटी स्पेस में मजबूत मौजूदगी को दर्शाती है, बल्कि यह अमेजन प्राइम वीडियो के साथ उनके लगातार मजबूत होते रचनात्मक रिश्ते की भी झलक देती है। इससे पहले 'पोचर' जैसी गंभीर और संवेदनशील सीरीज में उनके काम को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा था। यह प्रोजेक्ट इस बात का भी संकेत है कि अब बड़े फिल्मी सितारे ओटीटी प्लेटफॉर्म को सिर्फ विकल्प नहीं, बल्कि एक मजबूत और प्रभावशाली माध्यम के रूप में अपना रहे हैं। विविधतापूर्ण कहानियों और नए प्रयोगों के साथ डिजिटल एंटरटेनमेंट का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में 'डोंट बी शाय' से दर्शकों को एक मनोरंजक, ताजगी से भरपूर और यादगार रोमांटिक-कॉमेडी का इंतजार है।

'ये दिल आशिकाना' की री-रिलीज डेट और ट्रेलर जारी

साल 2002 में रिलीज हुई एक्शन-रोमांटिक फिल्म 'ये दिल आशिकाना' एक बार फिर दर्शकों के बीच लौटने के लिए तैयार है। अजय देवगन की 'फूल और कांटे' जैसी हिट फिल्में बना चुके निर्देशक कुकु कोहली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में करण नाथ और जीविधा शर्मा मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। अब करीब 24 साल बाद मेकर्स ने फिल्म के री-रिलीज का ऐलान कर पुरानी यादों को ताजा कर दिया है, जिससे 90 और 2000 के दशक की रोमांटिक फिल्मों के शौकीनों में खास उत्साह देखा जा रहा है। निर्माताओं ने फिल्म को आज के दर्शकों की पसंद के मुताबिक दोबारा एडिट किया है। हाल ही में जारी किया गया इसका ट्रेलर लगभग 2 मिनट 46 सेकंड लंबा है, जिसमें फिल्म के रोमांस, एक्शन और इमोशनल पलों की झलक देखने को मिलती है। ट्रेलर ने उन दर्शकों की यादें ताजा कर दी हैं, जिन्होंने इस फिल्म के गानों और प्रेम कहानी को खूब सराहा था। 'ये दिल आशिकाना' इस बार 13 फरवरी को वैलेंटाइन वीक के मौके पर सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज होगी। दिलचस्प बात यह है कि इसी दिन शाहिद कपूर की फिल्म 'ओ रोमियो' भी रिलीज हो रही है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर रोमांटिक फिल्मों के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है।

बॉक्स ऑफिस पर 'बॉर्डर 2' का जलवा जारी

फिल्म 'बॉर्डर 2' ने गणतंत्र दिवस से ठीक पहले रिलीज़ होकर दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बना ली है। सनी देओल की यह वॉर-ड्रामा फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है और अबतक की कमाई के आंकड़े दर्शकों और ट्रेड दोनों के लिए खुशखबरी बने हुए हैं। हाल ही में सनी देओल ने भी फिल्म को मिली प्रतिक्रिया और सफलता के लिए फैंस का धन्यवाद किया था और अब फिल्म ने दुनियाभर में 300 करोड़ रुपये का शानदार कलेक्शन पार कर लिया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी 'बॉर्डर 2' ने रिलीज़ के 7वें दिन लगभग 13.14 करोड़ रुपये का कारोबार किया। यह छठे दिन के 15.04 करोड़ के मुकाबले थोड़ी गिरावट है, लेकिन उसके बावजूद फिल्म ने पहले एक हफ्ते में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 244.97 करोड़ रुपये का कलेक्शन दर्ज कर लिया है। वहीं दुनियाभर में फिल्म की कुल कमाई 308.5 करोड़ रुपये के करीब पहुंच चुकी है, जो इस वीकेंड के लिए उत्साह बढ़ा रही है। 'बॉर्डर 2' को अब अगले चरण में 'मर्दानी 3' जैसी बड़ी रिलीज़ से टक्कर मिलने वाली है। रानी मुखर्जी की यह फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज़ हो चुकी है, जिससे बॉक्स ऑफिस के समीकरण में थोड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। 'बॉर्डर 2' में सनी देओल के अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी जैसे कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं, जो इसे दर्शकों के लिए एक मजबूत पिक्चर बनाते हैं। बॉक्स ऑफिस पर आने वाले दिनों में दोनों फिल्मों के प्रदर्शन का मुकाबला देखने लायक होगा।